हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 25 | प्रयागराज, बुधवार 26 अप्रैल , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

केरल के लोग भाजपा को स्वीकार करेंगे : पीएम मोदी

केरल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां सत्ताधारी माकपा और विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों के बीच संघर्ष से केरल को नुकसान हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में राज्य के लोग भाजपा को स्वीकार करेंगे। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों और गोवा– जहां ईसाई समुदाय की खासी आबादी है– ने भारतीय जनता पार्टी, उसके काम और उसकी सरकार को जिस तरह स्वीकार कर लिया है, केरल भी आने वाले दिनों में भाजपा को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर के राज्य हों या गोवा, जिन्होंने भी भाजपा का काम देखा है, उसकी सरकार का आचरण देखा है, चाहे वे किसी भी संप्रदाय, पंथ या संप्रदाय के हों, उन सभी ने भारतीय जनता पार्टी को स्वीकार किया है। इसलिए मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जो काम पूर्वोत्तर के राज्यों ने किया है, जो गोवा करता आ रहा है, वह आने वाले दिनों में केरल भी करेगा। पिछले महीने ईसाई बहुल नगालैंड और मेघालय सहित तीन पूर्वोत्तर राज्यों के चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन से उत्साहित होकर प्रधानमंत्री ने कुछ महीने पहले इसी तरह का बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन आने वाले वर्षों में केरल में भी सरकार बनाएगा। उन्होंने त्रिपुरा में दोस्ती और केरल में प्रतिद्वंद्विता के साथ वामपंथियों और कांग्रेस की छल की राजनीति के लिए उनकी आलोचना करते हुए कहा, जैसे–जैसे धीरे–धीरे हमारे प्रतिद्वंद्वियों के झूठ का पर्दाफाश होगा, भाजपा का विस्तार होगा... मुझे यकीन है कि आने वाले वर्षों में, जैसा कि मेघालय और नागालैंड में हुआ है और गोवा में होता रहा है, भाजपा का गठबंधन केरल में भी सरकार बनाएगा। (भाजपा) द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन युवम 2023 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पिनराई विजयन सरकार के कुछ शीर्ष अधिकारियों से कथित रूप से जुड़े सोने की तस्करी के घोटाले का भी उल्लेख किया और कहा कि राज्य के युवा जानते हैं कि सत्ता में रहने वाले लोग उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मोदी ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, एक तरफ हम भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केरल में कुछ लोग सोने की तस्करी में जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। केरल के युवा इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि सत्ता में बैठे लोग उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने राज्य की वामपंथी सरकार पर युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए कदम नहीं उठाने का भी आरोप लगाया। मोदी ने कहा, हमारी सरकार स्थायी सरकारी नौकरी देने के लिए रोजगार मेला लगा रही है। भाजपा शासित हर राज्य में नौकरी देने का अभियान चल रहा है। हालांकि, वर्तमान केरल सरकार का युवाओं को नौकरी देने पर ध्यान केंद्रित नहीं है। केरल सरकार के इस रवैये को केरल के युवा कभी नहीं भूल सकते। आधुनिक अवसंरचना के राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की मदद से कोच्चि मेट्रो का काम तेज गति से बढ़ रहा है और कल केरल में पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। केरल में कांग्रेस या वाम मोर्चे का नाम लिए बगैर प्रधानमंत्री ने दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक कथित रूप से वंशवादी राजनीति पर आधारित है, जबकि दूसरा कथित तौर पर राज्य से ज्यादा खुद के बारे में चिंतित रहता है। उन्होंने कहा, दो विचारधाराओं के बीच संघर्ष के कारण केरल को बहुत नुकसान हो रहा है। एक विचारधारा का मानना है कि उनका हित केरल से ऊपर है। दूसरी विचारधारा एक परिवार को किसी भी चीज से ऊपर रखती है। ये दोनों हिंसा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। इन दोनों विचारधाराओं को हराने के लिए केरल के युवाओं को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने हालांकि सम्मेलन में मौजूद युवाओं के साथ बातचीत नहीं की, जैसा कि भाजपा ने कार्यक्रम आयोजित करते समय योजना बनाई थी। अपने संबोधन के शुरू में प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति भारत की विकास यात्रा को आगे ले जाने वाली ताकत है क्योंकि युवाओं ने देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी ने कहा कि एक जमाने में भारत फ्रेजाइल फाइव्य (पांच कमजोर) देशों में से एक था। उन्होंने यहां युवम 2023व्य सम्मेलन में कहा, आज हालांकि भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में जाना जाता है। यह युवाओं की वजह से है और इसलिए मुझे अपने देश के युवाओं पर पूरा भरोसा है। मुझे उन पर विश्वास है। यह उल्लेख करते हुए कि हर कोई अब कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है और देश के पास युवा शक्ति का खजाना है, मोदी ने कहा कि भाजपा और देश के युवाओं की सोच समान है। उन्होंने कहा, हम सुधार लेकर आए और युवा नतीजे लेकर। विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जहां भ्रष्टाचार के लिए जानी जाती थीं, वहीं भाजपा सरकार युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य आत्मनिर्भर समाज बनाना है।

मीडिया को लोगों को लड़ाना नहीं चाहिए–अशोक गहलोत

रायपुर। राजस्थान में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच खींचतान लगातार जारी है। हालांकि, अशोक गहलोत ने कहा है कि मीडिया को लोगों को लड़ाना नहीं चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में कांग्रेस का चुनाव अभियान उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित होगा। अनुभवी कांग्रेसी नेता ने यह विश्वास भी जताया कि उनकी पार्टी पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के आधार पर सत्ता में वापसी करेगी। गहलोत ने कहा कि मीडिया को सच्चाई और तथ्यों पर टिके रहना चाहिए मीडिया को हमें आपस में नहीं लडना चाहिए। उन्हें (मीडियाकर्मियों को) अपना कर्तव्य पूरा करना चाहिए और यह जनहित में है। गहलोत ने यह भी कहा कि मैं यह नहीं कहता कि झूठे आंकड़े पेश करें या हमारी झूठी प्रशंसा करेंय लेकिन मैं चाहूंगा कि मीडिया सच्चाई के आधार पर चले। गहलोत ने कहा कि मीडिया केंद्र सरकार के दबाव में है, लेकिन उन्हें जनता का हित देखना चाहिए। अपनी सरकार की योजनाओं और आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी का अभियान उनके शासन की योजनाओं पर केंद्रित होगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि चुनाव में, प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी), (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह बड़े रोड शो में हिस्सा लेंगे, पैसा खर्च करेंगे और चुनाव जीतने के लिए सब कुछ करेंगे। लेकिन हमने फैसला किया है कि हम (राज्य) सरकार के कार्यों के आधार पर आगे बढ़ेंगे। गहलोत की टिप्पणी पायलट के साथ चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है। दिसंबर 2018 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद चल रहा है। हाल ही में, पायलट ने एक दिन का उपवास रखकर गहलोत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल दिया। पायलट ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जिसका वादा 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले किया गया था। गहलोत ने हालांकि पायलट के हमले पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी।

अगला लोकसभा चुनाव पश्चिम बंगाल में विकास के मुद्दे पर होगा, अभिषेक बनर्जी बोले, बीजेपी को हराना हमारा मकसद

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीट पर चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रचारित सांप्रदायिक विमर्श पर नहीं, बल्कि विकास के मुद्दे पर होंगे। बनर्जी ने इससे पहले दिन में राज्य में आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर कूच बिहार जिले से व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम 'तृणमूल ए नबाजोवार (तश्णमूल की नयी लहर) अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि तृणमूल का लक्ष्य राज्य में जनता की पंचायत का निर्माण करना है। अभियान के तहत एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''अगला लोकसभा चुनाव पश्चिम बंगाल में विकास के मुद्दे पर होगा। यह सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे पर नहीं होगा, जो भाजपा चाहती है। उन्हें हराना होगा। हम राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ेंगे। देश में 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। बनर्जी तश्णमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं। उन्होंने दिनहाटा विधानसभा क्षेत्र में एक मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की और उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने कहा, ''तश्णमूल कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो आपके अधिकारों के लिए लड़ेगी। केंद्र में भाजपा के नेतश्त्व वाली सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत राशि रोक रखी है, क्योंकि वह अब तक 2021 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रही है। अभिषेक तश्णमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के भतीजे हैं और ममता के बाद वह पार्टी में दूसरे नंबर के नेता माने जाते हैं। वह अभियान के दौरान करीब 3,500 किलोमीटर की यात्रा करेंगे और समूचे राज्य में 250 से अधिक रैलियां करेंगे। तश्णमूल कांग्रेस के सांसद ने इससे पहले कहा था कि इस जनसंपर्क अभियान का उद्देश्य लोगों तक पहुंचना है और उन्हें आगामी पंचायत चुनावों में तश्णमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों का फैसला गुप्त मतदान के जरिये करने के लिये सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा,''पहली बार देश में इस तरह की पहल की गई है। आपने एक सत्तारूढ़ पार्टी को इस तरह का अभियान चलाते कभी नहीं देखा होगा। लेकिन हमारा मानना है कि जनता ही लोकतंत्र में सबसे ऊपर है।

कर्नाटक के गोकक में जरकीहोली को हराने के लिए जद (एस) उम्मीदवार ने मिलाया कांग्रेस से हाथ

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले की गोकाक सीट से जद (एस) के उम्मीदवार चंदन गिद्दनवर ने पार्टी की जानकारी के बिना अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है। उन्होंने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूर्व मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता रमेश जरकीहोली के खिलाफ कांग्रेस से हाथ मिला लिया है। घटना के बाद, जद (एस) ने उम्मीदवार को पार्टी से निष्कासित करने का फैसला किया है। अब यहां कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला है। अल्पसंख्यक वोट, जो कांग्रेस और जद (एस) के बीच बंटने की संभावना थी, अब सबसे पुरानी पार्टी को जा सकते हैं। जरकीहोली को अब हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी। डॉ महंतेश कडाडी कांग्रेस उम्मीदवार हैं। गिद्दनवर पहले ही कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान कर चुके हैं। गोकाक सीट में हाई वोल्टेज मुकाबला देखा जा रहा है। शिवकुमार जरकीहोली को अपने ही गढ़ में मात देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

अडानी और चीन मुद्दे पर मौन, कांग्रेस ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक बार फिर से अडानी और चीन मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर घेरा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश नें मंगलवार को कहा पीएम मोदी की जनसंपर्क मशीनरी उनके मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड के लिए ओवरटाइम काम कर रही है, जबकि प्रधानमंत्री अदाणी और चीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप है। जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि, जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि, 30 अप्रैल को होने जा रहे मन की बात के 100वें एपिसोड की सूचना को फैलाने के लिए पीएम की शक्तिशाली पीआर मशीन ओवरटाइम कर रही है।

इस बीच मौन की बात है, अडानी, चीन, सत्यपाल मलिक के खुलासों, एमएसएमई की बर्बादी और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप्पी। बता दें कि, 30 अप्रैल को पीएम मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 100वीं कड़ी प्रसारित की जाएगी, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसे खास बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने एक प्लान तैयार किया है। पार्टी ने केंद्रीय मंत्रियों, लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को निर्वाचन क्षेत्र सौंपे। सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्रों में रहने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं में शामिल होंगे जो दिन में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। केंद्र सरकार विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए 100 रुपये के सिक्के जारी करेगी। रेडियो के माध्यम से नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री का अनूठा और सीधा संवाद, मन की बात अब तक 99 एपिसोड पूरे कर चुका है। यह स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, जल संरक्षण, वोकल फॉर लोकल आदि जैसे सामाजिक परिवर्तनों की उत्पत्ति, माध्यम और प्रवर्तक रहा है। कार्यक्रम ने खादी, भारतीय खिलौना उद्योग, स्वास्थ्य में स्टार्टअप, आयुष, अंतरिक्ष आदि जैसे उद्योगों पर जबरदस्त प्रभाव दिखाया है। प्रस्तुति की अपनी अभिनव और अनूठी इंटरैक्टिव शैली के साथ, कार्यक्रम ने संचार के एक अद्वितीय प्रतिमान के रूप में खुद के लिए एक जगह बनाई है। आकाशवाणी का लोकप्रिय कार्यक्रम प्रधानमंत्री मन की बात 3 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था और हर महीने के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे पूरे आकाशवाणी और डीडी नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने यूपी सरकार पर साधा निशाना, कहा, सबसे ज्यादा अपराधी यूपी में हैं पुलिस हिरासत में मार दी गई गोली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उमेश पाल हत्याकांड में शामिल कुख्यात अपराधी गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता परवीन की तलाश में जुटी हुई है। यूपी पुलिस को गुड्डू मुस्लिम की लास्ट लोकेशन ओडिशा और छत्तीसगढ़ में मिली है। वहीं, जब इस बारे में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा अपराधी तो उत्तर प्रदेश में हैं। इसी दौरान उन्होंने यूपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था नहीं है। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि गर कोई अपराधी यहां छिपा हुआ है और छत्तीसगढ़ पुलिस से सहयोग मांगेंगे तो हम बिलकुल सहयोग करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यूपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा अपराधी हैं, जहां पुलिस संरक्षण में पत्रकारों के बीच गोली मार दी गई। इससे बड़ी बात और क्या होगी। कानून–व्यवस्था उत्तर प्रदेश में नहीं है। बता दें कि उमेश पाल मर्डर केस में पुलिस आरोपी बदमाश गुड्डू मुस्लिम की तलाश में जगह–जगह दबिश दे रही है। गुड्डू मुस्लिम बार–बार लोकेशन बदल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, गुड्डू मुस्लिम के छत्तीसगढ़ फरार होने की आशंका है। ओडिशा में एक शख्स से पूछताछ के बाद पुलिस को गुड्डू मुस्लिम के नए लोकेशन के बारे में पता चला है। बताया जा रहा है कि राजा खान नाम के शख्स से यूपी एसटीएफ ने पूछताछ की थी। यूपी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि छत्तीसगढ़ महासमुंद के एक पुराने बदमाश के साथ गुड्डू मुस्लिम के काफी अच्छे संबंध है। इसी के आधार पर एसटीएफ की टीम उससे पूछताछ करने के लिए उसके घर पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, गुड्डू मुस्लिम की लोकेशन बरगढ़ और भठली के बाद सोहेला में मिली थी। बता दें कि सोहेला के बाद गुड्डू मुस्लिम की उत्तर प्रदेश पुलिस को कहीं और लोकेशन नहीं मिली है। गुड्डू मुस्लिम को अतीक के करीबियों में से जाना जाता है। बताया जाता है कि उमेश की हत्या से पहले गुड्डू अशरफ से मिलने बरेली जेल गया था। यहां पर अशरफ ने गुड्डू को पूरा मर्डर प्लान बताया था। जैसे शाइस्ता अतीक के सभी राज जानती है ऐसे ही गुड्डू मुस्लिम भी अतीक के कई राज जानता है। क्योंकि वो अतीक गिरोह का सबसे पुराना आदमी है। वह राजू पाल हत्याकांड से लेकर उमेश पाल हत्याकांड तक अतीक गैंग में बना रहा है। सबसे ज्यादा अनुभवी है। मिली जानकारी के मुताबिक, अतीक के जेल में बंद होने पर वह शाइस्ता और बेटों के लिए गाइड की तरह काम कर रहा था। अतीक और अशरफ की गैरमौजूदगी में गुड्डू ही शाइस्ता का साथ दे रहा था। वहीं, इस पर बहुत से लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं हो सकता है पुलिस अधिकारी भी इस पर खुलकर नहीं बोल रहे हैं। एसटीएफ दोनों की लोकेशन के लिए हर तरह के प्रयास कर रही है। शाइस्ता और गुड्डू मुस्लिम यूपी एसटीएफ के लिए मोस्ट वान्डेट हैं। फरार तो अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा, बहन आयशा नूरी और दो भांजियों समेत शूटर अरमान व साबिर भी हैं, लेकिन ज्यादा जोर शाइस्ता तथा गुडडू की गिरफ्तारी पर है।

प्रधानमंत्री मोदी 29 अप्रैल को काशी तेलुगू संगमम कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तेलुगू संगमम कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित किया जाएगा जब बड़ी संख्या में तेलुगु भाषी तीर्थयात्री 12 दिनों तक होने वाले धार्मिक समागम गंगा पुष्कर अलू के दौरान वाराणसी पहुंच रहे हैं। भाजपा सांसद जी वी एल नरसिम्हा राव ने कहा कि तेलुगू लोगों से जुड़े आश्रमों और धर्मशालाओं का संगठन श्री काशी तेलुगू समिति 'संगमम का आयोजन कर रहा है। राव इस कार्यक्रम के समन्वयक और श्री काशी तेलुगू समिति के अध्यक्ष भी है। गंगा नदी के मानसरोवर घाट पर आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय कार्यक्रम में वाराणसी और तेलुगू भाषी लोगों की आबादी वाले दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को रेखांकित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस कवायद को दक्षिणी राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा की जड़ें मजबूत करने के मोदी के प्रयासों के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है। वाराणसी ने एक महीने तक चलने वाले काशी तमिल संगमम की भी मेजबानी की थी। राव ने कहा, ''गंगा पुष्कर अलू के दौरान लाखों लोग गंगा में पवित्र स्नान के लिए और विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंच रहे हैं। यह बहुत पवित्र अवधि है। प्रधानमंत्री ऐसे हजारों तीर्थयात्रियों को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी दोनों क्षेत्रों के बीच प्राचीन सभ्यतागत जुड़ाव को रेखांकित करेंगे। उन्होंने वाराणसी की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की।

पीएम ने तिरुवनंतपुरम से वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन से केरल की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। राज्य को अपनी पहली वंदे भारत ट्रेन मिलने का उत्साह पिछले एक सप्ताह से चर्चा में है। ट्रेन की पहली व्यावसायिक सेवा बुधवार को कासरगोड से शुरू होगी और 7 घंटे 50 मिनट में तिरुवनंतपुरम पहुंचेगी। तिरवनंतपुरम से कासरगोड के लिए पहली सेवा गुरुवार से शुरू होगी। ट्रेन कोल्लम, कोट्टायम, त्रिशूर, शोरनूर, कोझिकोड और कन्नूर में रुकेगी और कासरगोड में समाप्त होती है। सोमवार शाम कोच्चि पहुंचे पीएम मोदी मंगलवार सुबह तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ संक्षिप्त बातचीत के बाद पीएम ने और ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। ट्रेन में 16 कोच हैं, इनमें से दो एग्जीक्यूटिव कोच हैं। हरी झंडी दिखाने के दौरान मोदी के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, स्थानीय सांसद–शशि थरूर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सम्पादकीय

सतर्कता से कामयाबी

अलगाववाद पनपाने के मंसूबे लेकर कानून–व्यवस्था को चुनौती देने वाले पश्थकतावादी 'वारिस पंजाब दे' के मुखिया अमश्तपाल की मोगा के रोडे गांव में गिरफ्तारी से देश के अमन–चौन पसंद लोगों ने राहत की सांस ली है। एक महीने से अधिक समय से पुलिस के साथ लुका–छिपी का खेल खेल रहे अमश्तपाल को गिरफ्तार करके असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया है। निस्संदेह, इस घटनाक्रम से देश–विदेश में पंजाब को फिर काले दौर में धकेलने की साजिश करने वालों के मंसूबों पर पानी भी फिरा है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है कि पंजाब सरकार व पुलिस ने जिस संयम–धैर्य से राज्य की शांत फिजा को बचाये रखने का सार्थक प्रयास किया, उसकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की जानी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस मामले में आम आदमी पार्टी से राजनीतिक मतभेद होने के बावजूद केंद्र सरकार ने राज्य की मान सरकार के साथ जिस बखूबी से सामंजस्य स्थापित किया, उससे इस चुनौती से बेहतर ढंग से निबटने में मदद ही मिली। दोनों ही सरकारों ने पंजाब में भाईचारे व अमन की स्थापना के लिये राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी। कमोबेश देश के अन्य भागों में देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये उत्पन्न चुनौतियों के मुकाबले के लिये इस मामले को एक नजीर की तरह लिया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सीमा पार तथा विदेशों में सक्रिय अलगाववादियों की मदद व उकसावे के बाद अमश्तपाल तथा उसके समर्थकों ने 23 फरवरी को अजनाला पुलिस स्टेशन पर हमला करके जो कोहराम मचाया था, उससे आम लोगों में आशंका पैदा हो गई थी कि कहीं यह फिर से पंजाब में काले दौर की पदचाप तो नहीं है। यद्यपि अमश्तपाल अपने करीबी की रिहाई कराने में तो कामयाब रहा, लेकिन उसने पुलिस–प्रशासनिक व्यवस्था को जगा दिया। वास्तव में इस घटना ने राज्य सरकार व पुलिस–प्रशासन तथा केंद्र सरकार को चेता दिया कि अब यदि चूके तो पानी सिर के ऊपर से निकलते देर न लगेगी। निस्संदेह, इस घटनाक्रम से विदेशों में सक्रिय अलगाववादियों का मनोबल भी टूटेगा।बहरहाल, तात्कालिक रूप से अलगाव की चिंगारी भड़काने की इस कोशिश पर फिलहाल तो विराम लग गया है, लेकिन भविष्य में पुलिस–प्रशासन की किसी भी तरह की चूक अलगाव की समस्या के लिये उर्वरा जमीन तैयार कर सकती है। हमें सीमा पार से की जा रही साजिशों के प्रति सजग रहना होगा। खासकर ड्रोन के जरिये इस अंतर्राष्ट्रीय सीमा के चलते संवेदनशील राज्य में आये दिन गिरायी जा रही हथियारों व नशे की खेपों को लेकर भी सतर्क रहना होगा। बहरहाल, इस प्रकरण में पंजाब पुलिस की पीठ थपथपायी जानी चाहिए। उसने न तो अतिरिक्त बल प्रयोग किया और न ही राज्य के सांप्रदायिक सौहार्द को आंच आने दी। अमश्तपाल की लगातार लुका–छिपी के बावजूद उसने संयम बनाये रखा। जगह–जगह उसकी उपस्थिति की सूचना मिलती रही, लेकिन पुलिस–प्रशासन ने हड़बड़ी में कोई कार्रवाई नहीं की। क्रमबद्ध तरीके से अमश्तपाल के सहयोगियों को गिरफ्त में लिया। साथ ही उसके बचने के तमाम विकल्पों को धीरे–धीरे खत्म किया। यहां तक कि उसकी पत्नी को विदेश जाने से रोका। यहां राज्य के धार्मिक नेतश्त्व की सराहना करनी होगी कि उन्होंने धर्म के नाम पर अलगाव की कोशिशों को तरजीह नहीं दी। बताते हैं इससे पहले बैशाखी पर एक धार्मिक आयोजन के जरिये लोगों का ध्यान खींचते हुए आत्मसमर्पण की कोशिश भी अमश्तपाल ने की थी। निस्संदेह, धार्मिक,सामाजिक व राजनीतिक संस्थाओं द्वारा सजगता के साथ अलगाव के मंसूबों को खारिज करने से ही समाज में शांति व सुकून की प्राप्ति संभव है। लेकिन हमें ध्यान रखना होगा कि पंजाब में अमन–चौन के लिये चुनौतियां समाप्त नहीं हुई हैं। इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत है। गिरफ्तारी के वक्त अमश्तपाल ने कहा भी है कि यह अंत नहीं, शुरुआत है। ध्यान रखना होगा कि अलगाववाद की किसी कोशिश को समय रहते नियंत्रित कर लिया जाये। जिसके लिये राज्य के पुलिस–प्रशासन का केंद्रीय एजेंसियों में बेहतर तालमेल भी जरूरी है। तभी किसी ऐसे दुस्साहस पर समय रहते लगाम लगायी जा सकेगी। ऐसे में अब अमन–चौन बनाये रखने के लिये सरकार की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

ऐसे कैसे बनेगी विपक्षी एकता?

दिल्ली में सभी विपक्षी पार्टियां एकजुटता बनाने के प्रयास में लगी हैं और उधर कर्नाटक में सब एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। तभी सवाल है कि आपस में लड़ कर विपक्षी पार्टियां किस तरह की एकता बनवाएंगी? कर्नाटक में शरद पवार की पार्टी एनसीपी 45 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एनसीपी नेताओं का कहना है कि उनका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीन गया है इसलिए वे विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं ताकि वोट हासिल करके राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस लिया जाए। सोचें, उनके लिए कर्नाटक में भाजपा को रोकने की बजाय अपना राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा ज्यादा जरूरी लग रही है। इसी तरह आम आदमी पार्टी राज्य में 168 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी के सारे नेता पूरी ताकत लगा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि चित्तपुर की सुरक्षित सीट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे प्रियांक खडगे के खिलाफ भी आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवार दिया है। सोचें, दिल्ली में और संसद में खडगे के साथ आम आदमी पार्टी का पूरा सद्भाव दिखता है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया तो खडगे उनको सबसे पहले फोन करने वाले नेताओं में से थे।

पाकिस्तान मे सियासी सकंट

पाकिस्तान इस समय सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। देश में बढ़ती महंगाई ने देश के लोगों का जीना दूभर कर दिया है। आटा लेने के चक्कर में लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। दूसरी ओर पाकिस्तान के सियासी हालात भी बेहद खराब होते जा रहे हैं लेकिन पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पंजाब प्रांत के चुनावों की पड़ी है। हालांकि पंजाब प्रांत में चुनावों की तिथि के बारे में अभी स्थिथ्ति स्पष्ट नहीं है लेकिन पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इमरान खान के नेतृत्व में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है। सर्वाधिक जनसंख्या वाले पंजाब प्रांत से नैशनल एसैंबली के करीब 150 सदस्य निर्वाचित होते हैं। इसलिए पंजाब प्रांत के चुनावों का बहुत बड़ा महत्व है। पंजाब और खैबर पख्तूनखवा में चुनाव कराने को लेकर संसद और न्यायपालिका में सीधा टकराव चल रहा है। पाकिस्तान में आम चुनाव का मसला भी बड़ा टेढ़ा हो गया है। पाकिस्तान में एक बार फिर राजनीतिक अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो चुका है। शाहबाज सरकार किसी न किसी तरह पाकिस्तान को आर्थिक संकट से निकालने का प्रयास कर रही है। उसकी प्राथमिकता पहले आर्थिक संकट को हल करने की है लेकिन जिस तरह से सरकार और न्यायपालिका में टकराव बढ़ रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सिर्फ पाकिस्तान में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में ऐसी तस्वीरें नजर आई हैं जब वहां संवैधानिक और राजनीतिक प्रणाली नाकाम हो जाती है और कामकाज ठीक से नहीं हो पाता तो या तो गश्ह युद्ध छिड़ जाता है या फिर अतिरिक्त संवैधानिक तरीके अपनाए जाते हैं। पाकिस्तान के रक्षा और निर्वाचन अधिकारियों ने सुरक्षा तथा वित्तीय कारणों का हवाला देते हुए उच्चतम न्यायालय से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने के अपने आदेश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। प्रधान न्यायाधीश उमर अता बांदियाल के नेतश्त्व में अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने चार अप्रैल को फैसला सुनाया था कि सबसे बड़े प्रांत में चुनाव समय पर होने चाहिए और इसके लिए सरकार को पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) को 21 अरब रुपये देने का निर्देश दिया था।

सरकार ने सुरक्षा और वित्तीय कारणों का हवाला देते हुए इस फैसले को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि देश उग्रवाद का सामना कर रहा है और आर्थिक मंदी के कारण कर्जा चुकाने में चूक सकता है। निर्वाचन आयोग के लिए धन जारी करने की आखिरी तारीख 17 अप्रैल थी, जिनके समाप्त होने के बाद न्यायाधीशों को खुफिया तंत्र के प्रमुखों द्वारा जानकारी दी गई कि ईसीपी ने धन की अनुपलब्धता पर एक रिपोर्ट दी है। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट अब इस रिपोर्ट पर विचार करेगा। तब चुनावों की तस्वीर स्पष्ट होगी। भंग की गई पंजाब प्रांत की एसैंबली में इमरान खान की पार्टी को बहुमत हासिल था इसलिए वह महज सत्ता की खातिर चुनाव कराने पर जोर दे रहे हैं। जहां तक खैबर पख्तूनखवा का सवाल है वहां के हालात भी आतंकवाद के चलते बदतर हो चले हैं। वहां तहरीक–ए–तालिबान से जुड़े आतंकवादी लगातार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमले कर रहे हैं। जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं। तहरीक–ए–तालिबान को पाकिस्तान ने ही खड़ा किया था लेकिन अब वह पाकिस्तान का ही दुश्मन बन बैठा है। एक तरह से खैबर पख्तूनखवा पर तहरीक–ए–तालिबान का वर्चस्व कायम हो चुका है। प्रधान न्यायाधीश अमर अता बांदियाल ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को मिल–बैठ कर चुनाव के मसले पर बातचीत करने का परामर्श दिया है। यह परामर्श उन्होंने आम चुनाव और प्रांतीय विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की सुनवाई के दौरान दिया। अगर कोई आम सहमति बनती है तो जुलाई में चुनाव कराए जा सकते हैं लेकिन न्यायमूर्ति के अनुरोध के बावजूद पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में कोई संवाद नहीं हो पाया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है कि राजनीतिक संवाद के जरिए आम सहमति बनाई जा सकती है लेकिन अगर कोई सिर पर बंदूक रखकर या धमकी देकर वार्ता करने को कहे तो वह व्यर्थ ही होगी। दरअसल पाकिस्तान के राजनीतिक दल अपनी–अपनी रोटियां सेंक रहे हैं। किसी को भी यह चिन्ता नहीं कि आवाम को रोटी, दवाईयां और अन्य मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं बल्कि सबकी अपनी–अपनी डफली अपना–अपना राग है। इमरान खान पर भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे हैं। वह अब तक कानूनी दांव–पेचों से बचते आ रहे हैं।

वह इन सब चुनौथ्तियों के बीच अपना राजनीतिक वजूद बचाने में लगे हैं। शाहबाज सरकार कह रही है कि पाकिस्तान इस समय चुनावों का खर्च नहीं उठा सकता। सच्चाई यह भी है कि वह चुनावों को टाल कर अपनी स्थिति सुधारने के लिए कुछ और मोहलत लेना चाहती है। जमीनी धरातल पर देश की व्यवस्थाएं नाकाम साबित हो चुकी हैं और पाकिस्तान में इस समय राजनीतिक नेतृत्व आगे बढ़ने में असमर्थ हो चुका है। देश में अराजकता फैलने का पूरा खतरा है। अगर पाकिस्तान की आवाम और सरकारी प्रतिष्ठानों के बीच संघर्ष गहराया और सरकार और न्यायपालिका में टकराव बढ़ा तो फौज कोई भी सख्त कदम उठा सकती है। इस बात के साफ संकेत हैं कि पाकिस्तान की सेना तख्ता पलट कर हुकूमत की कुर्सी हथिया सकती है। **–आदित्य नारायण**

समलैंगिक विवाह और न्याय

समलैंगिक विवाह को लेकर देश के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जो बहस चल रही है उसे लेकर देश के वकीलों की सबसे बड़ी संस्था बार काऊंसिल आफ इंडिया ने अपील की है कि माननीय न्यायालय इस विषय पर संवैधानिक या कानूनी पेंचों में न उलझते हुए इसे देश की विधायिका अर्थात संसद के विचारार्थ छोड़ दे क्योंकि इस मसले का सम्बन्ध भारत की विशद सामाजिक–सांस्कृतिक व धार्मिक संरचना से जुड़ा हुआ है। पहली नजर में बार काऊंसिल की राय भारत की विविधता को देखते हुए खरी लगती है और यह माना जा सकता है कि समलैंगिक विवाह का मसला कहीं से सामाजिक प्रगति या विकासमूलक सोच से नहीं बंधा हुआ है बल्कि इसके उलट यह समाज के तबके में पल रही उस वर्जना का प्रतिबिम्ब है जो यूरोपीय समाज में आये परिवर्तनों को आदर्श व प्रगतिमूलक मानता है। भारतीय समाज आज भी परिवार की उस व्यवस्था को आदर्श मानता है जिसे 'संयुक्त परिवार' कहा जाता है। बार काऊंसिल ने एक प्रस्ताव पारित करके कहा है कि केवल संसद ही इस देश के लोगों की इच्छा का उचित प्रतिनिधित्व करती है। अतः इस बारे में कोई भी निर्णय उसी पर छोड़ा जाना चाहिए। पश्चिम के सामाजिक प्रतिमानों का आंख मींच कर अंधानुकरण करना किसी भी तर्क से बुद्धिमानी नहीं कही जा सकती क्योंकि वहां के समाज में अपने परिवार के बुजुर्गों के सम्मान को लेकर जिस तिरस्कार का भाव है उसे लेकर भारत के हिन्दू समाज से लेकर मुस्लिम समाज तक में सीधे नर्क या दोजख का रास्ता माना जाता है। मनुष्य के विकास की गाथा के शोधार्थी मानते हैं कि प्रारम्भ में यह समाज मातृ–मूलक या मातृ सत्तात्मक ही था जिसे पिता की अवधारणा बाद में आयी और बाद में दोनों स्त्री–पुरुष ने मिल कर परिवार की संरचना को गढ़ा। परिवार शब्द स्वयं में ही दो विपरीत लिंग के व्यक्तियों के सम्मिलन का समुच्य है। अतः यदि दो समलैंगिक व्यक्ति किसी परिवार की कल्पना करते हैं तो उसे वर्जना के अतिरिक्त क्या कहा जा सकता है? परन्तु कथित आधुनिकता के आवेश में आकर हम समाज की उस स्थापना को नहीं उलट सकते जिसके बलबूते पर पूरी सृष्टि का सृजन हुआ है।स्त्री और पुरुष को बराबर के अधिकार देने का यह मतलब कैसे हो सकता है कि दोनों की शारीरिक संरचना को भी हम एक समान कर दें और स्त्री को मां बनने के मिले सबसे बड़े वरदान या प्रकृति की भेंट को आधुनिकता पर कुर्बान कर दें। बार काऊंसिल ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि भारत के 99.9 प्रतिशत लोग समलैंगिक विवाहों के विरुद्ध हैं। इस देश के मात्र कुछ लोगों को छोड़ कर शेष सभी लोग मानते हैं कि समलैंगिक विवाह के पक्षधर लोगों के हक में यदि सर्वोच्च न्यायालय कोई फैसला देता है तो वह इस देश के सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक नियमों व मान्यताओं के खिलाफ होगा। बार कौंसिल ने विभिन्न राज्यों की बार काऊंसिलों के साथ संयुक्त बैठक करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यदि सर्वोच्च न्यायालय इस विषय में स्वयं को किसी भी प्रकार से संलिप्त करता है तो इसके असर से भारत के समाज में आगामी दिनों में अव्यवस्था पैदा हो सकती है। अतः देश के सर्वोच्च न्यायालय से बार काऊंसिल प्रार्थना करने के साथ अपेक्षा भी करती है कि वह भारत के लोगों की भावनाओं का सम्मान करेगा और जनादेश को समझेगा। काऊंसिल ने यह भी कहा है कि विभिन्न राज्यों की बार एसोसिएशनों के साथ विचार–विमर्श में यह मत भी सामने आया कि सभी इस बात पर एक राय हैं कि मामले की संजीदगी को ध्यान में रखते हुए समलैंगिक विवाह के बारे में विधायिका विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के साथ सलाह–मशविरा करने के बाद ही कोई नतीजा निकाले। धार्मिक मान्यताओं को यदि छोड़ भी दें तो वैज्ञानिक सोच भी यही कहती है कि जब तक दो विपरीत ध्रुव 'ऋण व धन' नहीं मिलते तब तक नव सृजन की सम्भावना बन ही नहीं सकती। कानून निष्चित रूप से समाज में कुरीतियां दूर करने व इसे सुस्थापित करने के लिए बनते हैं और सामाजिक भेदभाव व ऊंच–नीच को दूर करने के लिए बनते हैं और स्त्री–पुरुष को बराबरी का दर्जा देने के लिए बनते हैं मगर उनके बीच के प्रकृति जन्य गुणों को दूर करने का जब कोई विचार समाज में आता है तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है क्योंकि इसके प्रभाव से समूची मानवता ही प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। मानवता कहती है कि हर स्त्री–पुरुष को उसका अधिकार मिलना चाहिए। अतः परिवार की संरचना में न तो पुरुष किसी स्त्री का स्थान ले सकता है और न ही स्त्री किसी पुरुष का अधिकार ले सकती है।

आज का राशिफल

मेष :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

वृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वश्द्धि होगी।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वश्द्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

न्याय की आस में पहलवान

पोडियम से फुटपाथ तक, आधी रात खुले आसमान के नीचे न्याय की आस में। ये किसी कविता की पंक्तियां नहीं हैं, कड़वी सच्चाई बयां करता हुआ ट्वीट है। विश्व चौंपियनशिप, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन चौंपियनशिप में कई पदक जीत कर भारत का नाम रोशन करने वाली पहलवान विनेश फोगाट ने ये झकझोरने वाला ट्वीट किया है। सोमवार 23 अप्रैल को विनेश फोगाट के साथ साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया समेत कई और पहलवान जंतर–मंतर पर धरने पर बैठे और फुटपाथ पर ही रात गुजारी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति के ये पहलवान अपने लिए किसी सुविधा या रियायत की मांग नहीं कर रहे, कोई सरकारी बंगला, गाड़ी या नौकरी नहीं मांग रहे। वे केवल अपने लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं। और इंसाफ भी उस इल्जाम पर, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्म का कारण है। इन पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि बृजभूषण खुद को पाक–साफ कह रहे हैं, लेकिन आरोपी अपने लिए खुद फैसला नहीं सुना सकता। ये काम तो अदालत का होता है और इसके लिए बाकायदा एक प्रक्रिया न्याय व्यवस्था के तहत बनी हुई है। जिसकी पहली सीढ़ी पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी होती है। लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक दिल्ली पुलिस ने इन पहलवानों की शिकायत पर एफआईआर यानी प्राथमिकी तक नहीं लिखी है। और ऐसा नहीं है कि इन खिलाड़ियों ने पहली बार धरना दिया हो। इस साल जनवरी में भी पहलवान इसी जंतर–मंतर पर इसी शिकायत के साथ धरने पर बैठे थे। लेकिन तब भी ब्रजभूषण शरण सिंह पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि खेल मंत्रालय ने एक जांच समिति गठित कर दी थी। जिसने क्या काम किया, किस तरह की जांच की और कैसी रिपोर्ट बनाई, यह अभी सार्वजनिक नहीं है। दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की जगह यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति से रिपोर्ट मांगी है। मान लें कि जांच समिति की रिपोर्ट में ब्रजभूषण शरण सिंह को निर्दोष बताया जाए और खिलाड़ियों के आरोप बेबुनियाद, तो क्या पुलिस एफआईआर लिखने से इंकार कर सकती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 और 155 के तहत थाना प्रभारी का कानूनन कर्तव्य है कि वह किसी भी अपराध की शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज करे। साथ ही शिकायत देने वाले को इसकी पावती मुफ्त में दे। अगर पुलिस अधिकारी प्राथमिकी दर्ज करने से मना करता है, तो उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 166 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। 2013 में ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने आदेश दिया था कि गंभीर अपराधों की शिकायत मिलते ही पुलिस अधिकारी को एफआईआर दर्ज करनी होगी। वह इससे इनकार नहीं कर सकता है। अगर ऐसा करता है, तो पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसी गंभीर शिकायत पर दिल्ली पुलिस का रवैया हैरान कर रहा है। पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही, तो अब पहलवानों को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ा है। जब अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों को इंसाफ के लिए धरने पर बैठना पड़े और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो समझा जा सकता है कि देश में कानून व्यवस्था की कैसी दुर्गति कर दी गई है और आम आदमी के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ना कितना दुष्कर हो गया है। विडंबना ये है कि जिस वक्त कई भारतीय पहलवान धरने पर बैठे हैं, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर में चल रहे खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले साल भारत के एथलीटों ने इतने सारे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कमाल का प्रदर्शन किया। उनकी जीत का जश्न मनाने के साथ–साथ हमें यह भी सोचना चाहिए कि हम उनकी और मदद कैसे कर सकते हैं। प्रधानमंत्री की बातों और व्यवहार में कितना अंतर है, उसका इससे बेहतर प्रमाण नहीं मिल सकता। खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को जीतते हैं, तो इसमें निजी उपलब्धि के साथ देश के लिए गौरव भी जोड़ते चले जाते हैं। ऐसे में उनकी मदद करने की बात करने की बात करके प्रधानमंत्री उन्हें याचक की तरह देख रहे हैं। श्री मोदी को यह समझना चाहिए कि खेल हो या अन्य कोई क्षेत्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए, ताकि प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिले और देश के खाते में उपलब्धियां जुड़ती जाएं। सरकार ये सुविधाएं जनता के दिए धन से ही जुटाएगी, इसलिए इसमें मदद करने जैसा कोई भाव होना ही नहीं चाहिए। बल्कि प्रधानमंत्री मोदी को ये सोचना चाहिए कि किसी के साथ भी अन्याय न हो और यौन उत्पीड़न जैसे आरोप लगें तो उनकी त्वरित जांच हो। जनवरी में जब भारतीय पहलवान धरने पर बैठे थे, तभी श्री मोदी अगर ब्रजभूषण शरण सिंह पर कड़ी कार्रवाई का फैसला लेते, तो उनके विचारों और कार्यों में एकरुपता नजर आती। तब उनके बेटी बचाओ वाले नारे की सार्थकता भी साबित होती। लेकिन अभी तो देखकर निराशा होती है कि किस तरह आरोपों पर चयनात्मक तरीके से कारवाई होती है। सत्तारुढ़ दल से संबंधित लोगों पर पुलिस या जांच एजेंसियों की निगाहें नहीं पड़तीं, भले ही उनके खिलाफ कितने भी गंभीर इल्जाम क्यों न हों और यही इल्जाम अगर विरोधी दल के किसी व्यक्ति पर हो, तो न केवल फौरन कार्रवाई होती है, बल्कि इसे राजनैतिक तौर पर भुनाना भी शुरु कर दिया जाता है। इंसाफ की देवी की आंख पर पट्टी इसलिए होती है कि वह बिना किसी पक्षपात के न्याय कर सके। लेकिन सरकार न्याय के इस तकाजे के विपरीत काम कर रही है। तीन महीने बाद फिर से जंतर–मंतर पहुंच चुके पहलवानों को कब तक न्याय मिलेगा, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस बार उन्होंने राजनैतिक दलों से भी साथ आने कहा है, तो इतना तय है कि अब यह मुद्दा आगामी चुनाव में उछाला जाएगा। पिछली बार के धरने में साथ देने पहुंची माकपा नेता वृंदा करात को मंच पर आने नहीं दिया गया था। अब सभी राजनैतिक दलों के लिए धरने पर बैठे पहलवानों ने जगह बना दी है। भाजपा का इस पर क्या रुख रहेगा, यह उसका फैसला है, लेकिन बाकी दलों को महिला पहलवानों के इंसाफ की लड़ाई में एकजुटता दिखानी चाहिए।

होम डिलीवरी का संकट

कोविड लॉकडाउन के दौरान भारत में होम डिलीवरी का बाजार बहुत तेजी से बढ़ा था। लेकिन कोविड के बाद बदले हालात और दुनियाभर में छाए वित्तीय संकट ने इस कारोबार को भी संकटग्रस्त बना दिया है।भारत में कोरोना काल के बाद से कई बड़ी कंपनियों ने दस–दस मिनट में घर के सामान और खाने की डिलीवरी वाली सेवाएं शुरू की। इनमें जोमैटो जैसी स्थापित कंपनी से लेकर जेप्टो और ब्लिंकिट जैसे स्टार्टअप तक शामिल थे। लेकिन किसी भी कंपनी को वैसी सफलता नहीं मिली, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

हाल में ब्लिंकिट ने अपने डिलिवरी ब्वॉयज के लिए डिलीवरी चार्ज 25 से घटाकर 15 रुपये की, तो उसको लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसके पहले जनवरी में जोमैटो ने अपनी 10 मिनट की डिलीवरी सर्विस जोमैटो इंस्टैंट को बंद कर दिया। इसका कारण रहा कि कंपनी को इस बाजार में ना तो विस्तार नजर आ रहा था, ना मुनाफा। हालांकि कंपनी ने कहा कि वह अपनी रिब्रैंडिंग कर रही है, लेकिन मीडिया से बातचीत में कंपनी के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि कंपनी को इतना काम भी नहीं मिल पा रहा था कि रोज का खर्च निकल सके। कुछ जानकारों के मुताबिक ये कंपनियां भी दस मिनट में डिलीवरी के वादे पूरे नहीं कर पा रही थीं। जिन लोगों ने इन सेवाओं को आजमाया, उन्हें बहुत ही खराब नतीजे मिले। हाल के सालों में भारत में ऑनलाइन डिलीवरी का बाजार बहुत तेजी से बढ़ा है।

आने वाले सालों में इसके और विशाल होने का अनुमान लगाया गया है। रेडसीअर कंपनी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 तक भारत का हाइपर–लोकल डिलीवरी बाजार 50–60 फीसदी बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। लेकिन ऐसी डिलीवरी की अपनी लागत है। आरंभ में कारोबार फैलाने के लिए कंपनियों ने डिलीवरी ब्वॉयज को काफी इन्सेंटिव दी। लेकिन बाद में मुनाफा बढ़ाने की कोशिश में उन पर ही मार पडने लगी। वजह यह है कि ऑनलाइन डिलीवरी का खर्च उठाने की स्थिति में ज्यादातर भारतीय उपभोक्ता नहीं हैं। या कम से कम ऐसा करने की उनकी दिमागी तैयारी नहीं है। इसलिए ये कारोबार आज कई सवालों से घिर गया है। कोविड लॉकडाउन के दौरान भारत में होम डिलीवरी का बाजार बढ़ा था। लेकिन कोविड के बाद बदले हालात और दुनियाभर में छाए वित्तीय संकट ने इस कारोबार को भी संकटग्रस्त बना दिया है।

उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता में हासिल किया हडको अवार्ड

- मिशन निदेशक नेहा शर्मा ने हडको के 53 वें स्थापना दिवस पर प्राप्त किया यह सम्मान
- प्रदेश के 75 पर्यटक ऐतिहासिक स्थलों पर चलाया स्वच्छ विरासत अभियान,बनाया सफल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश को स्वच्छ बनाने में अग्रणी भूमिका पेश करने पर बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन नगरीय उप्र को देश के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है। जिसमें सचिव आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के मनोज जोशी द्वारा राज्य मिशन निदेशक उप्र नेहा शर्मा को उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड के 53वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह पुरस्कार दिया गया। स्वच्छता के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट श्रेणी में यह सम्मान दिया गया। पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये की धनराशि भी दी गई। ज्ञात हो कि स्वच्छ भारत मिशन नगरीय उप्र की ओर से बीते 14 से 24 जनवरी के बीच इस अभियान का संचालन किया गया था। जिसमें प्रदेश के 75 पर्यटक ऐतिहासिक स्मारकों को शामिल किया गया। इन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान में नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, साइट के अंदर प्लॉग रन जैसी गतिविधियों के माध्यम से घाट, तालाब, बाजार समेत अन्य वाणिज्यिक क्षेत्र की साफ–सफाई में आम जनमानस को शामिल किया गया। 10 दिन के इस सफल अभियान का समापन 24 जनवरी को यूपी स्थापना दिवस के दिन गौपूजा के साथ किया गया। इस अभियान में प्रदेश भर में 11 लाख से ज्यादा लोगों ने सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की थी। भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड के लिए देश भर से इन्ट्री प्राप्त की गई थी। इसमें स्थानीय निकाय निदेशालय की ओर से भी इन्ट्री भेजी गई। कई चरणों के परीक्षण के बाद जूरी मंडल ने स्वच्छ विरासतअभियान को फील्ड विजिट के लिए चुना। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय की एक टीम ने बीते 3 अप्रैल को लखनऊ के इमामबाड़ा, रेसीडेंसी समेत कई ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण भी किया था। कई चरणों के परीक्षण के बाद ही स्वच्छ विरासत अभियान को प्रतिष्ठित हडको अवार्ड बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट में पुरस्कार के लिए चुना गया है।

मांगें पूरी नहीं हुई तो निदेशालय कर्मचारी संघ करेगा आन्दोलन– संदीप

लखनऊ। स्थानीय निकाय निदेशालय मिनिस्टीरियल सेवा संघ ने अपनी मांगों के संबंध में मंगलवार को सात सूत्रीय एक मांगपत्र निदेशक स्थानीय निकाय नेहा शर्मा को सौंपा। वहीं, संघ द्वारा की गई पूर्व की कुछ मांगों के पूरा होने पर संघ ने निदेशक का आभार व्यक्त किया। कर्मचारी हितों के दृष्टिगत मांगपत्र में सात प्रमुख मांगें शामिल हैं। जिनमें निदेशालय में कर्मचारियों की काफी कमी होने के कारण निदेशालय संवर्ग का पुनर्गठन, वरिष्ठ सहायकों से प्रधान सहायक के पद पर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से कनिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत, निदेशालय में कार्यरत संविदा एवं आउटसोर्सिंग कार्मिकों का न्यूनतम 22 हजार रुपये मानदेय, द्वितीय तल को पूर्ण रूप से निदेशालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ही आवंटित किए जाने, निदेशालय की एक महिला अधिकारी की हठधर्मिता के चलते एक कार्मिक की विगत दो वर्षों से अनावश्यक विभागीय जाँच कार्रवाई को अंतिम रूप से निस्तारित किए जाने तथा स्थानीय निकाय निदेशालय मिनिस्टीरियल सेवा संघ के लिए बिल्डिंग में एक कमरा देने की माँग रखी है।

भाजपा संपूर्ण राष्ट्र में एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हिंदुओं के साथ खड़ी: विकास हिंदू

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने दिया भाजपा को समर्थन

सीतापुर। राष्ट्रीय हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू ने अपने हजारों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव 2023 में नैतिक समर्थन दिया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय प्रताप सिंह की उपस्थिति में उत्सव गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने समर्थन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी संपूर्ण राष्ट्र में एकमात्र ऐसी पार्टी है। जो हिंदुओं के साथ खड़ी है राष्ट्रीय हिंदू सेना एक गैर राजनीतिक संगठन है और हिंदुत्व और सनातन संस्कृति के लिए कार्य कर रहा है। हिंदुत्व और सनातन का कार्य करने में भारतीय जनता पार्टी का सहयोग करना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर विकास ने राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि आप सभी लोग आगामी निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सीतापुर नगर पालिका अध्यक्ष पद की प्रत्याशी नेहा अवस्थी का तन मन और धन से समर्थन कर भारी बहुमत से जिताने का कार्य करे। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप हिंदू ने कहां कि हिंदुओं का सौभाग्य है देश प्रदेश में हिंदूवादी सरकार है और हिंदुओं का समर्थन करती है। आज राष्ट्र विरोधी और हिंदुत्व विरोधी ताकते शांत हो गई हैं। यह आपके एकजुटता का परिणाम है। इसी तरह जागरूकता आप सभी को निकाय चुनाव में दिखानी है और नेहा अवस्थी को भारी मतों से विजई बनाना है। भाजपा प्रत्याशी नेहा अवस्थी ने शेर सेना के पदाधिकारियों का आभार ज्ञापित करते हुए अपील की आप सभी भाई मिलकर जीत दिलाए और मैं आपको स्वस्थ व स्वच्छ सीतापुर दूँगी। संगठन के जिलाध्यक्ष देश दीपक ने सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए नेहा अवस्थी को जिताने की अपील की। इस मौके पर संगठन के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता मनोज शुक्ला, अनूप खेतान, शानू राठौर, रानू सिंह, शिवा कश्यप, विवेक, रजिया, भगवान शरण, दिव्यांशु, संजय, ओम प्रकाश, संजय वाल्मिकी, शरद मेहरोत्रा, शिवम निषाद, नागेंद्र सिंह, सौरभ राठौर, दीपक चौरसिया, रिंकू अवस्थी, सूरज तोमर, शिवम श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम संयोजक एड. प्रभात अग्निहोत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरे

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार जीजा–साले की मौत

रेउसा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र में बीती रात सीतापुर बहराइच सम्पर्क मार्ग पर मुगलनपुरवा गांव के निकट मोटरसाइकिल सवार जीजा साले की अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मौके पर दोनों की मौत हो गई। जिला बहराइच थाना रिसिया आजाद नगर निवासी राम दरस (50) पुत्र फूलचंद्र अपने बहनोई हरेंद्र कुमार (49) पुत्र शिवनाथ निवासी थाना मलुवा बहुकूणा जिला बहराइच कल सुबह 8 अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर सीतापुर के घाघरा नदी के किनारे बसे बगस्ती गाँव में पूजा में शामिल होने के लिए आए हुए थे। देर रात को मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर वापस लौट रहे थे। रेउसा बहराइच मार्ग पर मुगलनपुरवा गांव के निकट मोटरसाइकिल में अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर मार दी। मौके से फरार हो गया। गांव के ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची रेउसा पुलिस ने दोनों मृतक शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। घटना की जानकारी पाकर परिजन मौके पर पहुंचे। उपनिरिक्षक अमित दुबे ने बताया रात में घटना हुई है जिसमें एक मोटर साइकिल सवार दो व्यक्ति की मौत हो गई। पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

उपजिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर लगाया आरोप

मिश्रिख (सीतापुर)। तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरी मजरा सादीपूर निवासी मोहम्मद साहिबान पुत्र मोहम्मद हनीफ ने यहां के उपजिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह मकान के बाहर पड़ी सहन की भूमि पर अपनी दीवार का निर्माण कार्य कार्य करा रहा है। दीवार न होने के कारण विष्णू पुत्र शिव लाल कश्यप, दीपक पुत्र शिवलाल उसके घर में महिलाओं के स्नान करते समय ताख झांक करते रहते हैं। घटना 7 अप्रैल की है। पीड़ित अपनी भूमि पर निर्माण कार्य करा रहा था। तभी सभी आरोपी एक राय होकर स्नान करते समय घर की औरतों पर बुरी नियत से ताक झांक करने लगे। पीड़ित ने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों आरोपी एक राय होकर मारपीट पर आमादा हो गये। शोर गुल की आवाज पर आस–पड़ोस के लोग दौड़ कर आ गये। उनको आता देख आरोपी जानमाल की धमकी देते हुए चले। इसलिए पीड़ित व्यक्ति ने मामले का शिकायती पत्र यहां के उपजिलाधिकारी को देकर दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

हरगांव (सीतापुर)। बीती रात लगभग दस बजे ग्राम पंचायत अख्तियारपुर के निवासी कुलदीप शर्मा उम्र लगभग 25 साल पुत्र राजेंद्र शर्मा हरगांव से अपने घर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी फिरोजपुर और खमौना के बीच अज्ञात वाहन ने ठोकर मार कर चला गया। किसी ने पुलिस को इस की सूचना दी। मौके पर 112 नम्बर की पुलिस पहुंचकर एम्बुलेंस से जब तक कुलदीप शर्मा को भेजवाया। जब तक उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरगांव लाया गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सीतापुर भेज दिया गया। तहरीर आने पर जांच कर कार्रवाई होगी।

लखनऊ जंक्शन पर जल्द मिलेगी टैक्सी स्टैण्ड पार्किग सुविधा

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने रेल यात्रियों को उन्नत यात्री सुविधा एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में लखनऊ मण्डल द्वारा स्टेशन प्लेटफार्म पर फेसिलिटेटर की सुविधा सहित लखनऊ व गोरखपुर जंक्शन स्टेशनों पर टैक्सी स्टैण्ड पार्किंग की सुविधा प्रारम्भ करने के लिए एजेंसी नामित कर दी गयी है, तथा यह सुविधा शीघ्र ही यात्रियों के लिए उपलब्ध हो जायेगी। यह जानकारी देते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि इस सुविधा के अर्न्तगत आटो और टैक्सी बुकिंग में यात्रियौं की सहायता के लिए गोरखपुर जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो व तीन पर तथा लखनऊ जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म 6 पर फेसिलिटेशन सेंटरधकियोस्क उपलब्ध रहेंगे। जहां पर 24 घन्टे एजेन्सी के फेसिलिटेटर उपलब्ध रहेंगे, जो रेल यात्रियों को आटो एवं टैक्सी बुकिंग में सहायता प्रदान करेंगे। फेसिलिटेटर द्वारा रेल यात्रियों को टोकन जारी किया जायेगा, जिसके आधार पर टैक्सी एवं आटो स्टैण्ड पार्किंग में उपलब्ध गाड़ी की बुकिंग की जा सकेगी। इस कियोस्क पर किराये की दर सूची तथा हेल्पलाइन नम्बर भी प्रदर्शित किये जायेंगे।

जिले के टॉप टेन सूची में मजदूर की बेटी ने दर्ज कराया नाम

रायबरेली । जगतपुर ब्लॉक क्षेत्र के पंडित जालिपा प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर में कक्षा 10 की छात्रा है। हिमांशी निवासी सुरौली के पिता भोपाल मध्य प्रदेश में धागा मिल में मजदूरी का कार्य करते हैं। माता संगीता ग्रहणी है। उसका एक छोटा भाई हिमांशु कक्षा सात में तथा बहन दिव्यांशी कक्षा एक की छात्रा है। बेटी ने हाईस्कूल की जिले की टॉप टेन की लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराते हुए 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है ।जिसको लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र तिवारी तथा अन्य शिक्षकों द्वारा मुंह मीठा कराकर माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। हिमांशी ने बताया कि इस सफलता के पीछे माता–पिता तथा गुरुजनों का विशेष श्रेय है।

करंट लगने से दस वर्षीय बच्ची की मौत

ऊंचाहार,रायबरेली । क्षेत्र के सरायं सहिजन गाँव में गिरी हुई एचटी लाइन में संचालित हो रहे करंट की चपेट में आने से दस वर्षीय बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया,ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में हुआ चुनावी संवाद कार्यक्रम

भारी जनसमूह को देखकर लोगों को हुआ एहसास कि चुनाव बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में एकतरफा हो गया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव का डंका और चुनाव की तिथि नजदीक आते ही प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत झोंक दी है इसी कड़ी में हरदोई जनपद जहां 4 मई को वोटिंग होना है। सांडी नगर पालिका में चुनावी कार्यकर्ता संवाद का एक वृहद कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश चंद्र गुप्ता समर्थित बाबूराम राजपूत के पक्ष में आयोजित हुआ। निकाय चुनाव का यह कार्यक्रम नवाबगंज स्थित सांडी कोल्ड स्टोर में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर कार्यकर्ताओं को पूरी मेहनत के साथ लगने के लिए निर्देशित किया और नगर की जनता से प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने के लिए अपील की इससे पहले राज्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया हरदोई लोकसभा के सांसद जय प्रकाश रावत ने भी दूसरी बार बाबूराम राजपूत को जिताने की अपील की कार्यक्रम में मौजूद सांडी विधानसभा के विधायक प्रभास कुमार ने कहा कि हमारा प्रत्याशी अप्रत्याशित वोटों से विजय प्राप्त करके नगरपालिका की कुर्सी पर आसीन होगा ।सांडी ब्लाक के ब्लाक प्रमुख अनिल राजपूत ने भी सम्मानित जनता से अपील करके जन समर्थन मांगा, मंच का संचालन सुनील त्रिपाठी ने किया कार्यक्रम में आए हुए निषाद पार्टी के जिला प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी तथा सांडी निकाय चुनाव के स्टार प्रचारक रामकिशोर मस्ताना ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में सुंदर गीत गाकर लोगों से भारी जन समर्थन की अपील की जिससे आए हुए सैकड़ों की संख्या में लोग आनंदित दिखाई दिए।

फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनाने के मामले में दो डश्वक्टर निलंबित

लखनऊ। डॉक्टर हैं जो सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। पैसे लेकर फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनाने वाले दो डॉक्टरों को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा यह दोनों डॉक्टर अन्य कार्यों के प्रति उदासीनता बरतने के आरोपी होने चलते आखिरकार इन पर गाज गिर ही गई। इसके लिए डिप्टी सीएम ने सोनभद्र के दो डॉक्टरों को निलंबित करने की संस्तुति कर दी गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि दोषी डॉक्टरों पर कठोर कार्रवाई होगी। ज्ञात हो कि सोनभद्र जिला संयुक्त चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पूर्णेन्दु शेखर सिंह व डॉ. दया शंकर की तैनाती है। इन डॉक्टरों पर पैसे लेकर फर्जी मेडिकल बनाए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए थे। शिकायत के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इसमें डॉ. पुर्णेन्द्र शेखर सिंह व डॉ. दयाशंकर का नाम मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने का मामला प्रकाश में आया था।

निर्माणाधीन जन्मभूमि पथ का निरीक्षण करते मण्डलायुक्त गौरव दयाल

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने श्री राम जन्म भूमि को जोड़ने वाले निर्माणाधीन जन्मभूमि पथ का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल पर हो रहे पत्थर ढलाई एवं कटाई के कार्य का निरीक्षण किया तथा पत्थर की ढलाई व कटाई के कार्यो की प्रगति धीमी होने पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि और अधिक पत्थर की ढलाई एवं कटाई करने वाले कारीगरों को लगाकर कार्य को तीव्र गति से करें तथा उन्होंने सम्बंधित ठेकेदार से कार्यो को समय से कैसे पूरा करेंगे इसकी कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने निर्माणाधीन पथ में स्थापित किये जा रहे स्ट्रीट लाइट के अत्याधुनिक खंभो को देखा तथा कहा कि खंभे एक सीध रेखा में लम्बवत स्पिलिट लेबल से चेक करके ही इंस्टाल किये जाय, जिससे वह देखने में बेतरतीब न लगें। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट के जो खंभे लगाये जाय वे ढलायी किये जा रहे पत्थरों की डिजाइनिंग को ध्यान में रखते हुये लगाये जाय, जिससे देखने में समरूपता लगें। उन्होंने इंस्टाल किये गये प्रत्येक पोलों तक जाकर उनकी गहनता से जांच की तथा जो भी कमियां थी उन्हें दूर करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पत्थर ढलाई के साथ पथ में फुटपाथ का कार्य भी तीव्र गति से किया जाय। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियन्ता पीडब्लूडी सहित कार्यदायी संस्था के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके उपरांत मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में अयोध्या धाम में निर्माणाधीन विभिन्न पथों के प्रगति की समीक्षा की गयी। उन्होंने सर्वप्रथम निर्माणाधीन रामपथ के सम्बंध में कहा कि निर्माणाधीन पथ पर जो भी मलबा आदि है उसे अभियान चलाकर दो दिन के अंदर हटवाया जाय तथा पथ के निर्माण में जो भी बधाये है उन्हें जल्द से जल्द हटवाया जाय। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पथ पर जहां भी जाम की स्थिति होती है वहां पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करते हुये जाम की स्थिति से निपटा जाय। मण्डलायुक्त ने कहा कि पथ के कैरेज–वे में जो पेड़ आ रहे उन्हें ही केवल हटाया जाय अन्य किसी पेड़ को न काटा जाय।

महिला ने ग्राम प्रधान सहित पांच अन्य के विरूद्ध मारपीट व छेड़छाड़ करने का लगाया आरोप

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र की ग्राम सभा सुरवारी निवासिनी महिला ने प्रधान सूर्य नरायण गुप्ता, अशोक गुप्ता ,कमल कुमार ,अनुराग, हिंमाशु ,के विरूद्ध समूह बनाकर मारपीट जान से मारने और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है।

पुलिस को दी गयी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि बीती शाम बरसात का पानी इंटर लाकिंग बनाये जाने के कारण निकासी नहीं होने से पानी भर गया। जिसकी शिकायत करने पर सभी आरोपियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग एवं छेड़छाड़ करते हुये जान से मारने की धमकी दी। ग्राम प्रधान सूर्य नरायण गुप्ता ने महिला के आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि इंटर लाकिंग सड़क बनाने से नाराज होकर नाली से पानी की निकासी नहीं हो रही थी।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने उद्यमियों से दुग्धशाला एवं कुक्कुट विकास के क्षेत्र में प्रदेश में निवेश करने की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह के साथ विधान भवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में उत्तर प्रदेश में अण्डा संचरण के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश के पोल्ट्री व्यवसाय से जुडेघ किसानों एवं उद्यमियों तथा नेशनल एग क्वारडिनेशन कमेटी (एनईसीसी) के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इस दौरान पंजाब तथा हरियाणा के अंडा उद्योग से जुड़े उद्यमी मौजूद थे। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा के उद्यमियों से दुग्धशाला विकास नीति तथा कुक्कुट विकास नीति के तहत प्रदेश में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उद्यमियों को हर प्रकार की सहायता एवं सुविधा प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि अण्डा संचरण हेतु प्रतिनिधिमण्डल द्वारा दिये गये सुझावों पर विचार कर निर्णय लिया जायेगा और अण्डा व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों के आर्थिक उन्नयन के लिए कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर धर्मपाल ने कहा कि प्रदेश को अंडा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और जनसामान्य को गुणवत्तायुक्त अंडों की उचित दरों पर उपलब्धता सुनिश्चित कराना सरकार की प्राथमिकता है। जनता, किसानों और उद्यमियों के हितों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुक्कुट उत्पादन में मांग के सापेक्ष उपलब्धता में अंतर (गैप) को पूर्ण कर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने तथा निर्यातोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से कुक्कुट विकास नीति–2022 लागू की गई। उन्होंने कुक्कुट विकास नीति की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नीति के तहत आगामी 05 वर्षों में एक करोड़ 90 लाख अण्डा प्रतिदिन उत्पादन क्षमता के कामर्शियल लेयर फार्म की स्थापना तथा एक करोड़ 72 लाख ब्रायलर चूजों के वार्षिक उत्पादन हेतु ब्रायलर पेरेन्ट फार्म की स्थापना किया जाना लक्षित है। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकारी की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगी तथा इससे अधिकाधिक रोजगार का सृजन होगा।

जाम, अतिक्रमण, जलभराव, आवारा गोवंश, खुदी गलियां आदि विपक्ष के आरोप मधुर पर पड़ रहे भारी

हरदोई। अमृत जल योजना के अंतर्गत शहर में खुदी गलियां, जलभराव, सीवर लाइन,जाम ,बेतहाशा अतिक्रमण और आवारा गौवंश की समस्याओं से जूझते शहर की समस्याओं को सपा और बसपा अपने–अपने ढंग से आरोप लगाकर भाजपा प्रत्याशी निवर्तमान अध्यक्ष नगर पालिका हरदोई सुख सागर मिश्रा की जीत में रोड़ा बने हुए हैं वही निवर्तमान अध्यक्ष मधुर के सपा से जीत कर आने और बाद में भाजपा में शामिल हो जाने पर दलबदलू का भी आरोप लगा रहे हैं, अब देखना यह है कि इन सब आरोपों के बावजूद भाजपा प्रत्याशी मधुर द्वारा शहर में कराए गए विकास कार्यों का पलड़ा भारी पड़ता है कि नहीं। मालूम हो कि,पिछली बार सुखसागर मिश्रा ने सपा की टिकट पर चुनाव जीता था,इसके बाद उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया,इस बार सपा और बसपा उन पर दलबदलू होने का आरोप लगा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या अब बीजेपी की टिकट से चुनावी मैदान में उतरे सुखसागर शहर की जनता का भरोसा जीत पाएंगे या किसी नये चेहरे को मौका मिलेगा। हरदोई नगर पालिका परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के प्रत्याशी डोर टू डोर कैंपेनिंग में जुटे हैं। मुख्य मुकाबला भाजपा, सपा और बसपा के बीच होने की उम्मीद है। पिछले 2017 नगर निकाय चुनाव में हरदोई नगर पालिका परिषद से समाजवादी पार्टी से सुखसागर मिश्र मधुर ने सपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। सपा प्रत्याशी राम ज्ञान गुप्ता और बसपा प्रत्याशी दीपांशु मिश्रा निवर्तमान चेयरमैन पर हमलावर हैं। लोगों के बीच जाकर शहर की समस्याओं से निजात दिलाने का वादा कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी सुख सागर मिश्र मधुर पिछले पांच साल में कराए गए विकास कार्यों का बखान कर रहे हैं और आने वाले समय में लोगों को अन्य समस्याओं से निजात का जनता को भरोसा दिलाने में जुटे हैं। शहर में जाम, अतिक्रमण,जलभराव,सीवर लाइन और आवारा गोवंश की समस्याएं प्रमुख हैं। सपा बसपा प्रत्याशियों का कहना है कि शहर में निवर्तमान चेयरमैन ने कोई विकास कार्य नहीं कराया है। अगर विकास हुआ है तो सिर्फ चेयरमैन का जबकि शहर की जनता समस्याओं से जूझ रही है। शहर में अमृत योजना के तहत डाली गई पाइप लाइन के चलते गलियां खुदी पड़ी हैं। आवारा गोवंश सड़क पर घूमते रहते हैं। हल्की बरसात में शहर जल मग्न हो जाता है। शहर में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है और सीवर लाइन को लेकर भी कोई प्लान तैयार नहीं किया गया है इसकी मांग काफी समय से उठती रही है। इन समस्याओं को लेकर शहर के वाशिंदे भी मुखर हैं। लोगों की मांग है कि आने वाले समय में जो भी चेयरमैन बने वो इन समस्याओं का हल करे।

गले मे तख्ती डालकर रहम की भीख मांग रहे अपराधी और माफिया–योगी आदित्यनाथ

- सीएम ने नगर निकाय के सभी उम्मीदवारों को जिताने की अपील की

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रायबरेली । जिले में पहले चरण में चार मई को निकाय चुनाव होना है। ऐसे में समय कम होने के साथ ही राजनीतिक पार्टियां अपने प्रत्याशियों को जीत हासिल कराने के लिए जोरों से लगी हैं। इसी क्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में शहर के जीआईसी मैदान पहुंचे हैं। जीआईसी मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव से संबंधित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश के प्रति पूरे देश का नजरिया बदला है। अब उत्तर प्रदेश में ऐसा धर्म चक्र घुमा है कि गरीब, व्यापारी, नौजवान सिर उठाकर चलता है और गुंडा और माफिया गले में तख्ती लगाकर जान की भीख मांगते है। यह नया उत्तर प्रदेश है।

उन्होंने कहा कि पहले माफिया रंगदारी वसूलते थे। बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। उनके सामने पुलिस लाचार रहती थी। अपराधी जब सड़कों पर निकलते थे तो सड़कें खौफ से सुनी हो जाती है थी। आज यह गुंडा माफिया सड़कें खाली नहीं होने देते। उन्हें पता है कि यदि सड़कें खाली हुई तो क्या हो जाएगा। आज रंगदारी की वसूली नहीं होती। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के विकास के लिए तमाम योजनाएं चलाई गई हैं। जिससे नगर क्षेत्र के लोग लाभान्वित हुए हैं। कहीं भ्रष्टाचार नहीं है। आज प्रदेश का नौजवान किसी दूसरे राज्य में जाता है तो गर्व से कहता है कि उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं। पहले हमारे प्रदेश के नौजवानों को बाहर अपनी पहचान छिपाने पढ़ती थी।

अध्यक्ष पद पर टिकट न मिलने से व्यथित भाजपा सेक्टर प्रभारी ने निर्दल किया नामांकन

बीकापुर–अयोध्या। भरतकुंड भदरसा में टिकट बंटवारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। अध्यक्ष पद पर टिकट ना मिलने से व्यथित पिपरी सेक्टर से सेक्टर प्रभारी एवं भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय पदाधिकारी रामजनम निषाद ने निर्दल प्रत्याशी के रूप में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। नए परिसीमन के बाद नवसृजित हुई भरतकुंड भदरसा नगर पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए पार्टी से टिकट मिलने को लेकर संभावित उम्मीदवारों में कई लोगों के अलावा युवा भाजपा नेता रामजनम निषाद द्वारा भी टिकट के लिए दावा किया गया था। लेकिन आखरी क्षण में भाजपा द्वारा महंत राम सेवक निषाद को अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी घोषित किया गया है। जिससे टिकट के लिए आस लगाए रामजनम निषाद को निराशा मिली। उसके बाद उन्होंने विद्रोह करते हुए निर्दल प्रत्याशी के रूप में सोमवार को अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

बीकापुर–अयोध्या। तहसील परिसर के शहीद स्मारक पर समस्याओं को लेकर पिछले दिनों 11 दिनों तक अनिश्चितकालीन धरना देने वाले पीड़ित पक्ष के लोगों को गांव में विपक्षियों द्वारा लाठी डंडा और धारदार हथियार से हमला करके घायल कर देने का आरोप है। स्थानीय तारुन थाना की पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला तारुन थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत कूरी पुरुषोत्तम पुर गांव का है। गांव निवासी किसान रामजीत पांडेय अपने घर की बिजली जुड़वाने व रास्ता खुलवाने को लेकर बीकापुर तहसील में अपनी पत्नी प्रीति दो मासूम बच्चों तथा सहयोगियों के साथ ग्यारह दिन तक धरना पर बैठे रहे। धरने के दौरान रामजीत पांडेय की तबीयत भी खराब हो गई थी। जिन्हें उपचार के लिए मंडलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इसी दौरान हरकत में आए तहसील प्रशासन द्वारा समस्या समाधान के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हो गया। पीड़ित किसान रामजीत पाण्डेय ने आरोप लगाते हुए बताया कि 6 माह से रास्ते के लिये प्रयासरत होने पर जब लिखा पढ़ी में ही मामला टलता रहा तो वह परिवार सहित तहसील बीकापुर में 11 दिन तक धरना देते रहे। इसी बीच तबियत खराब हो जाने के कारण उन्हें मण्डलीय अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। और चुनाव आचार संहिता का हवाला देते हुए तहसील प्रशासन ने धरना स्थगित करवा दिया। उसके बाद तहसील प्रशासन ने गाँव मे पहुंचकर पैमाइश कर रास्ता खुलवा दिया। पीड़ित राम जी पांडे का आरोप है कि 22 अप्रैल को प्रशासन द्वारा खुलवाये गए रास्ते को गाँव के विपक्षी गुरुदीन वर्मा और उनके पक्ष के लोग बन्द कर रहे थे। रोकने पर आरोपी लाठी डंडे और कुल्हाड़ी से लैस होकर आए और उनके भाई की पत्नी शीला सिर पर हमला करके लहूलुहान कर दिया। जिससे वह बेहोश हो गई। उनकी पत्नी तथा भतीजी को भी मारपीट में काफी चोट आई है। हल्ला गुहार मचाने के बाद गाँव के लोगों के इकट्ठा होने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित रामजीत पाण्डेय ने बताया कि उसके भाई की पत्नी शीला की हालत खराब है। जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है उपचार अस्पताल में चल रहा है।

मुक्त विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

कुलसचिव, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने रक्तदान कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 35 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया। रक्तदान करने वालों में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, श्री अनुराग शुक्ला, श्री श्रवण कुमार दुबे, श्री इंदु भूषण पांडेय, डॉ एस के भारती एवं डॉ मुकेश कुमार मौर्या आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तकोश की तरफ से डॉक्टर रिचा कक्कड़ डॉ पंकज कुमार यादव अजय मिश्र हेमंत शुक्ला विभा मिश्रा अभिनव कुमार अनुराग जायसवाल संदीप मिश्रा भूपेंद्र पांडे तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए शिविर के संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में लौह की मात्रा पर्याप्त रहती और रक्तचाप नियंत्रित रहता है जो हार्ट अटैक की संभावना को भी कम करता है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक बहुत पुण्य का कार्य है जो किसी के भी जीवन की रक्षा करने में अमृत के समान है। शिविर में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर पी पी दुबे रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते रहे।

विश्व मलेरिया दिवस पर चलाया विशेष सफाई अभियान

प्रयागराज। करैली के नाज मल्टिस्पेशियलिटी हास्पिटल, मैक्स चिल्ड्रेन व आई हास्पिटल में विश्व मलेरिया दिवस पर जहां विशेष सफाई अभियान चलाया गया। वहीं हास्पिटल में आने वाले मरीजों व तीमारदारों को मच्छर जनित रोगों को कैसे रोका जाए और क्या उपाय किया जाए इसकी जानकारी दी गई। हास्पिटल संचालक अमित यादव ने विश्व मलेरिया दिवस पर नाज मल्टिस्पेशियलिटी हास्पिटल , मैक्स चिल्ड्रेन व आई हास्पिटल सहित अन्य शाखाओं में सफाई कर्मचारियों से विशेष सफाई अभियान चलवाया। वहीं डॉ नाज फात्मा, डॉ काशिफ सिद्दीकी, डॉ ईशान जैदी, डॉ हरदीप कौर, डॉ जमशेद अली, डॉ अभिषेक कनौजिया और डॉ आरिफा ने अपने अपने चौम्बर में मरीजों को मच्छर जनित रोगों के फैलाव को रोकने के लिए घरों में रखे कूलर, गमले में लगे पेड़ पौधे के आस पास मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के उपाय बताए।

डॉ नाज फात्मा ने बताया की मच्छर के लार्वा से मलेरिया व लक्षण जैसे ही नजर आएं तुरंत अपने डाक्टर से परामर्श करें और जांच कराकर समय पर इलाज कर इस गम्भीर बिमारी से बचें।

जनगणना के सूक्ष्म स्तर के आंकड़ों की प्राप्ति हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। देश एवं प्रदेश के शिक्षण संस्थाओं, विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थाओं में सामाजिक आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय विषयों तथा विभिन्न विकासपरक नीतियों के मूल्यांकन एवं शोध कार्यों के उन्नयन के दृष्टिकोण से शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं अन्य आंकड़ा प्रयोगकर्ताओं को बहुपयोगी जनगणना के सूक्ष्म स्तर के आंकड़ों को सुगमता से उपलब्ध कराने हेतु गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूसी, प्रयागराज में "सेंसस डाटा रिसर्च वर्कस्टेशन" के स्थापना हेतु परस्पर सहमति बनी। इस अवसर पर श्रीमती शीतल वर्मा, आई.ए.एस, निदेशक जनगणना कार्य उत्तर प्रदेश एवं प्रो. बद्री नारायण, निदेशक गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूसी, प्रयागराज ने संयुक्त रूप से एमओयू आज हस्ताक्षर किए। निदेशक जनगणना ने इस अवसर पर अवगत कराया कि भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश मे स्थापित होने वाला दूसरा वर्कस्टेशन होगा। इस वर्कस्टेशन से आंकड़ा प्रयोगकर्ताओं जनगणना संबंधी विभिन्न सूक्ष्म स्तर के आंकड़ों को अपने अध्ययन एवं शोध हेतु सुगमता से प्राप्त कर सकते है जिससे वह देश, प्रदेश एवं समाज के जीवन को नयी दिशा एवं दशा देंगे ऐसा विगत अनुभवों में सिद्ध हुआ है। गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में वर्कस्टेशन की स्थापना में सहयोग हेतु निदेशक जनगणना में संस्था के निदेशक को बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी क्रम मे संस्थान के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने निदेशक जनगणना कार्य उत्तर प्रदेश का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुये अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश राज्य के शिक्षा एवं ज्ञान की हृदय स्थली प्रयागराज में उनकी संस्था का चयन वर्कस्टेशन की स्थापना हेतु किया जाना संस्था के लिए गौरव का क्षण है।

डॉ. जोएल राणा ने कार्यक्रम मे उपस्थित संस्था के सभी फेकल्टी, प्रतिभागियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरे

यह सम्मान गांधी के विचारों का सम्मान: राजकुमार चोपड़ा

प्रयागराज। राजकुमार चोपड़ा को लोक सेवक मंडल का दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर गांधी अकादमिक संस्थान एवं अनाम स्नेह परिवार की ओर से अभिनन्दन किया गया। संगम नगरी के मूल निवासी राजकुमार चोपड़ा ने सम्मानित होने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि उन्होंने सेवा कार्य गांधीवादियों के साथ काम करके सीखा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय, गांधी एवं राजर्षि टण्डन के विचारों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि पूरी ईमानदारी से किए गए कार्य मे सफलता निश्चित मिलेगी। अभिनन्दन समारोह में निवर्तमान पार्षद आनन्द घिल्डियाल ने कहा कि समाज में वंचितों के लिए समय निकालना और उनके लिए काम करना बड़ी बात है। लोक सेवक मंडल के सचिव ब्रह्म प्रकाश ने राजकुमार चोपड़ा की संघर्ष की गाथा बखान किया। कार्यक्रम का संचालन गांधी अकादमिक संस्थान के ओम प्रकाश शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के संयोजक श्रीनारायण यादव ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनन्दन किया। इस मौके पर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार मिश्र,अनुराधा, प्रीति तिवारी, सुबोध यादव, डॉ चन्द्रशेखर, डॉ यशवंत, घनश्याम मास्टर, अनन्त कुमार, लवलेश सिंह, मधु यादव, प्रिया रावत, रवि कुमार लेखक मौजूद रहे।

प्रयागराज को विकास का मश्वडल बनाऊंगा: गणेश केसरवानी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के महापौर प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जन संपर्क करते हुए जनता से जीत का आशीर्वाद मांगा और कहा कि जिस प्रकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात को विकास का मॉडल बनाया ठीक उसी प्रकार आपके आशीर्वाद से प्रयागराज के विकास के लिए काम करता रहूंगा। प्रयागराज का उसकी गरिमा और महिमा के अनुरूप विकास का मॉडल का केंद्र बनाऊंगा। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि उन्होंने आज बक्शी बांध, घंटाघर, गढीं कला, बक्सी बाजार, पूरा मनोहर दास, सुल्तानपुर भावा, बेनीगंज, लकड़मंडी, खुल्दाबाद मछली चौराहा, अंदावा आदि क्षेत्रों भ्रमण किया और क्षेत्र के वार्ड कार्यालयों का उद्घाटन किया। जनसंपर्क के दौरान वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी, गीता विश्वकर्मा, राजेश सोनकर, गौरव गुप्ता, गौरी शंकर वर्मा, वीरू सोनकर, हर्षित अग्रवाल, आकाश बजरंगी, विजय सिंह प्रयाग दत्त गुप्ता, दिग्विजय सिंह ,रोचक दरबारी, दुर्गेश नंदिनी, सावन जोगी, अखिलेश सिंह कुशवाहा, शांति देवी, एवं सैकड़ों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा 01 वारन्टी गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कोरांव पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय जे0एम0 2 इलाहाबाद के मु0अ0सं0 161/2018 धारा 323/504/506/427/452 भादवि से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त हृदय लाल पुत्र बृजमोहन निवासी ग्राम पचेड़ा थाना कोरांव प्रयागराज, उम्र 38 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 25.04.2023 थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार वारन्टी अभियुक्त का विवरण– हृदय लाल पुत्र बृजमोहन निवासी ग्राम पचेड़ा थाना कोरांव प्रयागराज, उम्र 38 वर्ष आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0–161/2018 धारा 323/504/506/427/452 भादवि थाना कोरांव प्रयागराज 2. मु0अ0सं0–155/2018 धारा 147/504/506 भादवि थाना कोरांव प्रयागराज पुलिस टीम का विवरण–1. उ0नि0 गौरव कुमार थाना कोरांव प्रयागराज 2. का0 आनन्द प्रकाश शर्मा थाना कोरांव प्रयागराज।

आम जनता की आवाज थे बहुगुणा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को कांग्रेसजनों तथा विभिन्न वर्ग के लोगों ने 104 वीं जयंती पर कृतज्ञता पूर्ण नमन किया। प्रातः फायर ब्रिगेड चौराहा स्थित प्रतिमा पर उनके पुत्र शेखर बहुगुणा तथा दामाद पी.सी. जोशी तथा मौजूद लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वे आम आदमी की आवाज थे जिन्हें दलितों, शोषितों, पीड़तो, मेहनतकश इंसानों के साथ सर्वहारा वर्ग के लोगों का नेतृत्व प्राप्त था। सूबे के साथ प्रयागराज को अनेक इंडस्ट्री देकर हजारों लोगों को रोजगार दिया। महापौर प्रत्याशी प्रभा शंकर मिश्रा ने कहा कि वे पहले ऐसे मुख्यमंत्री थे जिनका अपना कोई मकान नहीं था। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव राघवेंद्र सिंह, शहर अध्यक्ष प्रदीप अंशुमन, किशोर वार्ष्णेय, उज्वल शुक्ला, हरिकेश त्रिपाठी, अशफाक अहमद, डा.जगत नरायण सिंह, अभिषेक शुक्ला, विजय बहादुर सिंह, शमीम आलम, ओमप्रकाश त्रिपाठी, अरूण पाठक, कलक्टर पांडेय, विनय द्विवेदी आदि थे। कार्यक्रम का संचालन संत प्रसाद पांडेय ने किया।

मूलभूत समस्या को प्राथमिकता से निपटाएंगे: अजय श्रीवास्तव

प्रयागराज। सपा के मेयर उम्मीदवार अजय कुमार श्रीवास्तव ने आज नैनी, सिविल लाइन्स, कटरा, छोटा बघाड़ा, नीमसराय आदि क्षेत्रों में जनसम्पर्क कर समर्थन की अपील किया। सपा प्रत्याशी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में शामिल हुए ग्रामीण इलाकों में अभी किसी भी तरह कि सुविधाएं बहाल नहीं की गई हैं। मेरा प्रयास होगा कि इन क्षेत्रों में सफाई, पेयजल, शिक्षा, स्वस्थ्य, स्ट्रीट लाइट आदि जैसी मूलभूत सुविधाएँ प्राथमिकता के साथ प्रदान कर नगर निगम क्षेत्र में शामिल नये इलाकों को भी शहरी सुविधाएं दी जाय। जनसम्पर्क के दौरान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन,पूर्व मंत्री लल्लन राय, डॉ ज्ञान श्रीवास्तव, नितिन यादव,रविन्द्र यादव एडवोकेट, सचिन श्रीवास्तव, आर. एन. यादव,पंकज यादव, वीरू पासी, मुशीर अहमद, गुलाब यादव, अज्जू, मयंक यादव, अमर नाथ मौर्य,आदि मौजूद रहे। सपा प्रत्याशी अजय श्रीवास्तव की पत्नी श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने बेगम सराय में मुशीर अहमद, प्रीतम नगरमें संजय यादव,सुलेम सराय में अनीता देवी वार्ड न 53 में राकेश यादव के कार्यालय का उद्घाटन करसपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन की अपील किया।

आप की आंधी में उड़ जायेंगे विपक्षी : सांसद संजय सिंह

कादिर के लिए किया रोड शो, मांगा समर्थन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने कहा कि आप की आंधी में विपक्षी पार्टियां उड़ जायेंगी। इतनी भारी बारिश के बाद भी जुटी हजारों लोगों की भीड़ यह यह दर्शा रहा है कि इस बार मेयर आप का ही होगा। वह रोड शो के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले वह शहीद अब्दुल मजीद राईन और छुन्नन गुरू की प्रतिमा पर मार्ल्यापण किया। रोड शो जीरो रोड बस अड्डे से शुरू होकर चौक घंटा घर पर समाप्त हुआ। इस दौरान संजय सिंह को सुनने के लिए भारी भीड़ जमा थी। रोड शो के दौरान घंटा घर पर संजय सिंह ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचारियों का समूह बन गया है। भाजपा वह पार्टी है जिसका अध्यक्ष रक्षा सौदे में कमीशन खाया। इन लोगो ने राम को नहीं छोड़ा। राम के नाम पर अयोध्या के मेयर ने कमीशन खाया और उसे अब पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो मैने कहा कि टिकट नहीं दिया अब उसे जेल भेजो। संजय ने कहा कि अब सब मिलकर झाड़ू चलायेंगे। उनका कहना था कि भाजपा में जो सत्ता का भूत सवार है उसे झाड़ू मार मार कर उतारना है। कहा कि एक मौका आपने मोदी और योगी को दिया इस बार मौका झाड़ू वालों को दे दो नगर निगम का कायाकल्प हो जायेगा। इस मौके पर चुनाव समिति के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, डा० अल्ताफ, पवन तिवारी, विनय पटेल, शेखर दीक्षित, इमरान , सर्वेश यादव , नितिन सिंह पटेल , आलोक कुमार श्रीवास्तव , ज्योति प्रकाश चौबे , डा० ,जावेद, प्रशांत श्रीवास्तव , मो० अली जफर,सहित सैकड़ों लोग रहे। दूसरी ओर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कादिर ने जन सम्पर्क किया और समर्थन मांगा।

हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

कुशीनगर। जनपद के कुबेरस्थान पुलिस ने हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित अभियुक्त को पिस्टल व जिन्दा कारतूस एवं एक अदद एयरगन के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित, वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 25 अप्रैल दिन मंगलवार को कुबेरस्थान पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 74/2023 धारा 307/504/506 भा0द0वि0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त वकील सिंह पुत्र हर्वा सिंह ग्राम सिकटा थाना कुबेरस्थान को एक अदद पिस्टल मय आठ अदद जिन्दा कारतूस 7.65 छ० 70 व एक अदद एयरगन के साथ 24 घन्टे के अन्दर गिरफ्तार किया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर उपरोक्त मुकदमे में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी कर पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

रानी रेवती देवी के छात्रों ने बनाया जिले के टॉप 10 में अपना स्थान

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, राजापुर प्रयागराज के छात्र छात्राओं ने जिले की मेरिट में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों में स्थान बनाकर अपना दबदबा कायम रखते हुए सभी छात्र छात्राएं प्रथम स्थान बनाकर उत्तीर्ण रहे। छात्र–छात्राओं की इस सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे, प्रबंधक शिव कुमार पाल शासकीय अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय, डॉक्टर रघुराज सिंह अध्यक्ष एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय में उपस्थित समस्त छात्र छात्राओं को फूल मालाओं से लाद दिया एवं मिठाईयां खिलाकर खुशी का इजहार किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे ने बताया कि इंटरमीडिएट की परीक्षा में कोमल श्रीवास्तव एवं प्रिया मिश्रा ने 500 में से 477 अंक प्राप्त करके जिले में सातवां स्थान एवं आदित्य झा ने 500 में से 473 अंक अर्जित कर जिले में दसवां स्थान प्राप्त किया तथा हाईस्कूल की परीक्षा में साक्षी मौर्या ने 600 में से 572 अंक प्राप्त करके जिले में नौवां स्थान बनाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल के अन्य मेधावी छात्र–छात्राओं में प्रमा दिवेदी ने 600 में से 572, अभय प्रताप सिंह ने 566, श्रेया दुबे ने 563, मीनाक्षी मिश्रा ने 562, सीमा सरोज ने 561, सौरव यादव ने 556, उत्कर्ष धर दुबे ने 550, पूर्ति निगम एवं पल्लवी पांडे ने 549, वैष्णवी मिश्रा ने 548 एवं सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने 545 अंक, इसी प्रकार इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रिया मिश्रा ने 477, आदित्य झा ने 473, सानिया जावेद ने 451, हर्षिता सिंह ने 449, ईशान पांडे ने 448, कात्यायनी शुक्ला ने 444, ज्योति ने 444, प्रांशी पांडे ने 440, तनु प्रिया ने 419, सानू यादव ने 439, विकास जायसवाल ने 437, बॉबी मिश्रा ने 435, वेदप्रकाश ने 434, ऋषभ पांडे ने 432, एवं आशीष सिंह ने 431 अंक प्राप्त कर विद्यालय की श्रेष्ठता सूची में अपना स्थान बनाया।

ट्रैक्टर से कुचलकर व्यापारी की दर्दनाक मौत

प्रतापगढ़। बाइक से ससुराल जा रहे मिठाई विक्रेता की रानीगंज के रामापुर ओवरब्रिज के पास ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। ड्राइवर को लोगों ने पकड़ने की कोशिश की तो वह चलते ट्रैक्टर से कूदकर भाग निकला। बाइक में मिले रजिस्ट्रेशन से मृतक की पहचान हुई तो परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर कोतवाली के कटरा मेदनीगंज निवासी आशुतोष मोदनवाल (30) स्थानीय शीतलाधाम के पास मिठाई की दुकान चलाता था। मंगलवार सुबह वह अपनी ससुराल जौनपुर में मुंगरा बादशाहपुर के लिए निकला था। वाराणसी–लखनऊ हाईवे पर फतनपुर के रामापुर में वह ओवरब्रिज के बजाए क्रॉसिंग से गुजरना चाहता था। क्रॉसिंग बंद होने पर लौटकर ओवरब्रिज पर जा रहा था, तभी ईंट लदे ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। ट्रैक्टर की ट्राली का चक्का उसके सिर से गुजरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

जनरथ बस में टैंकर ने सामने से मारी टक्कर, डेढ़ दर्जन सवारियां घायल

प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सैफू का पुरवा हिनांहू गांव के निकट सोमवार की शाम प्रयागराज से लखनऊ जा रही जनरथ बस से टैंकर की आमने–सामने टक्कर हो गई। बस पर बैठी सवारियों में चीखपुकार मच गई। धमाके की जोरदार आवाज सुनकर ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे और बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर एसओ सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे और घायलों को इलाज को सीएचसी कालाकांकर भेजा। बस में बैठे ड्राइवर राजेश सिंह (40), परिचालक अंशुमान, संजीव शुक्ला (35) निवासी झूंसी प्रयागराज, प्रियंका सिंह (40) पत्नी संजय सिंह निवासी नाका हिंडोला लखनऊ, उनकी बेटी प्रिया (16), विवेक (35) पुत्र राम फेर निवासी लालगंज मिर्जापुर, तनवी सिंह (35) पत्नी उदयभान सिंह सीतापुर, महेन्द्र प्रताप (35) पुत्र राजाराम निवासी सीतापुर, मुकेश (40) पुत्र सतेन्द्र निवासी नेवादाकला कमलापुर, आरक्षी राकेश गोंड (50) पुत्र बैजनाथ निवासी रघुनाथगंज लालगंज रायबरेली जो कि प्रयागराज हाईकोर्ट में तैनात हैं, सुनीता (35) पत्नी राम सुमेर निवासी प्रीतम नगर लखनऊ, उनका बेटा राहुल (18), रानी वर्मा (30) निलासी लखनऊ, रवीन्द्र (40) पुत्र नागेन्द्र निवासी महेन्द्रगढ़ हरियाणा, अशरा (21) पुत्री खालिद निवासी बेली प्रयागराज, सुजीत सिंह (40) पुत्र काशी प्रसाद सिंह निवासी कृष्णा नगर प्रयागराज, दानिश खान (27) पुत्र मो0 आफाक खान निवासी दौलदा नगर गाजीपुर गंभीर रुप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद भी आरक्षी राकेश गौंड, सुनीता देवी की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने स्वरूप रानी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया। ड्राइवर ने टैंकर ड्राइवर के खिलाफ तहरी दी है। जबकि टैंकर छोड़कर ड्राइवर भाग निकला। सीओ कुंडा अजीत सिंह ने बताया की सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया।

सौ साल में पहली बार जल्द हुआ परिणाम घोषित

- तय समय के पहले हो गया मूल्यांकन
- 30 साल बाद नकल विहीन परीक्षा का बना कीर्तिमान

प्रयागराज। सीएम योगी के सख्त निर्देश थे कि बोर्ड परीक्षा नकलविहीन होनी चाहिए सभापति डॉ.महेंद्र देव के मुताबिक यह पहली बार हुआ है जब किसी भी केंद्र पर प्रश्नपत्र खोलने में कोई गड़बड़ी या अनियमितता सामने नहीं आई है। पहली बार प्रश्नपत्रों को 4 लेयर वाले एक सील लिफाफे में रखा गया था, जिस कारण पेपर लीक होने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। यूपी बोर्ड के इतिहास में 30 साल बाद बिना पेपर लीक या मास कॉपी के नकल विहीन परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराई गयी।

पेपर लीक न हो इसलिए अधिकारी देर रात तक स्ट्रांग का औचक निरीक्षण करते रहे। कड़ी निगरानी का ही नतीजा था कि हाई स्कूल और इंटर के 58,85,745 रजिस्टर्ड छात्रों में से 4,31,571 छात्रों ने परीक्षा ही छोड़ दी। बोर्ड की सख्ती के कारण 133 सॉल्वर पकडे गए हैं और सभी को जेल भेजा गया। बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भी यूपी बोर्ड ने एक और इतिहास रचा है। यूपी बोर्ड के सभापति डॉ.महेंद्र देव बताते हैं कि इस बार यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू हुआ था। उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के लिए प्रदेश में 258 केंद्र बनाए थे जिनमे कुल 3.19 करोड़ पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना था। इसके लिए 1,43,933 परीक्षक लगाए गए थे। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पूरा होने की तिथि 1 अप्रैल तय की गई थी लेकिन बोर्ड ने एक दिन पहले यानी 31 मार्च, 2023 को ही मूल्यांकन पूरा कर लिया। यह भी एक कीर्तिमान है।

बोर्ड ने इस बार रिजल्ट तैयार करने की समयावधि में भी अहम कामयाबी हासिल की है। बोर्ड के सभापति डॉ. महेंद्र देव के अनुसार पहली बार उपनियंत्रकों की क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर ऑडियो–वीडियो ट्रेनिंग कराई गई थी। इससे उत्तर पुस्तिकाओं की बिना किसी गलती के जांच हो सकी। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद बोर्ड का अपना अनुमान था कि वह अप्रैल महीने के अंत में नतीजे घोषित कर देगा। पिछले 12 वर्षो में यूपी बोर्ड का दसवीं और 12 वीं का रिजल्ट सबसे जल्द 2019 को 27 अप्रैल को घोषित हुआ था लेकिन इस बार बोर्ड का रिजल्ट 25 अप्रैल को ही घोषित कर दिया जो 100 साल के बोर्ड के इतिहास में सबसे पहले घोषित किया गया रिजल्ट है। यह भी महत्वपूर्ण है कि यूपी बोर्ड की परीक्षा सीबीएससी के 1 दिन बाद 16 फरवरी से शुरू हुई थी लेकिन यूपी बोर्ड का रिजल्ट सीबीएसई से पहले घोषित कर दिया गया वह भी तब जब सीबीएसई की तुलना में यूपी बोर्ड में कई गुना छात्र अधिक हैं।

अतीक का बहनोई डॉक्टर अखलाक सस्पेंड

उमेश पाल हत्याकांड के शूटर्स को दी थी पनाह

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। मेरठ के भावनपुर सीएचसी पर तैनात माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉक्टर अखलाक को शासन ने सस्पेंड कर दिया है। डॉक्टर अखलाक पर पश्चिम उत्तर प्रदेश के अतीक का कारोबार चलाने का भी आरोप है। एसटीएफ ने 1 अप्रैल को डॉ. अखलाक को गुड्डू मुस्लिम, असद समेत अन्य शूटर्स को पनाह देने के मामले में गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद उसे नैनी जेल भेजा गया था। इसके बाद सीएमओ अखिलेश मोहन ने शासन को रिपोर्ट भेजी थी। प्रयागराज में सरेआम उमेश पाल की हत्या करने के बाद अतीक का बेटा असद, शूटर गुड्डू मुस्लिम और साबिर मेरठ आए थे। तीनों अखलाक के घर पर रुके थे। डॉ. अखलाक ने न सिर्फ शूटरों को पनाह दी, बल्कि उनकी आर्थिक मदद भी की थी। उमेश हत्याकांड के पहले भी अक्सर शूटर अखलाक के घर रुकते रहते थे। इसी मामले में एसटीएफ 1 अप्रैल को नौचंदी थाना इलाके से डॉ. अखलाक को गिरफ्तार

करके प्रयागराज ले गई थी। उमेश पाल हत्याकांड के शूटर बमबाज गुड्ड्डू मुस्लिम का एक वीडियो सामने आया था। इसमें बमबाज गुड्ड्डू अतीक अहमद के बहनोई अखलाक से गले मिलता नजर आया। यह सीसीटीवी फुटेज एसटीएफ को मेरठ में अखलाक के नौचंदी स्थित घर से मिला था। मेरठ के नौचंदी इलाके के भवानीनगर में अखलाक के घर के बाहर लगे सीसीटीवी में एक शख्स काले रंग की टी–शर्ट और कैप में घर के अंदर आता दिखा था। कैप उतारने के बाद उसका चेहरा साफ दिखा, वो गुड्डू मुस्लिम था। वह घर के अंदर मौजूद एक बुजुर्ग महिला के पास बैठ जाता है। कुछ देर में घर की सीढ़ियों से नीली टी–शर्ट में एक शख्स उतरता है। दोनों गले मिलते हैं। इसके तुरंत बाद सीढ़ियों से हाफ येलो कलर की हाफ टीशर्ट में अखलाक उतरता है। वह गुड्डू मुस्लिम से हाथ मिलाकर गले मिलता है। इसके बाद गुड्डू मुस्लिम लॉबी से निकलकर नीली टीशर्ट वाले शख्स के साथ एक कमरे में चला जाता है। जांच में पता चला था कि उमेश की हत्या के बाद बमबाज गुड्डू अखलाक के मेरठ स्थित घर में 2 दिन ठहरा था। जबकि अतीक का बेटा असद और 2 अन्य शूटर भी अखलाक के घर में रुके थे। जेल में बंद माफिया अतीक की मदद करते–करते डा. अखलाक उसके और करीब आना चाहता था। इसलिए अखलाक ने अपनी छोटी बेटी का रिश्ता भी अतीक के बेटे असद से जोड़ दिया था। यही कारण था कि असद का लगातार मेरठ में आना जाना था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद भी असद अखलाक की बेटी से मिलने आया था।

मिले सबूतः अशरफ का था आईएसआई से रिश्ता

प्रयागराज। माफिया अतीक और अशरफ का पाकिस्तानी एजेंसी आई एस आई से कनेक्शन सामने आया है। अशरफ ने करेली में गिरफ्तार आतंकी जीशान कमर को पासपोर्ट बनवाने के लिए जिला पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखा था। उसने पत्र में लिखा था कि जीशान कमर प्रयागराज के करेली का रहने वाला है। वह पिछले कई साल से मेरे यहां काम करता है। जीशान कमर के साथ मेरा घर जैसे ताल्लुक हैं। इसलिए जल्द से जल्द जीशान कमर का पासपोर्ट पूरा करवाएं। इन्हें अपने काम के सिलसिले में विदेश की यात्रा करनी है। उधर माफिया अतीक का खंडहर दफ्तर में सोमवार को दफ्तर में सीढ़ियों, कमरे और किचन में खून के धब्बे मिले। जिसके बाद पुलिस की फोरेंसिक जांच टीम ने खून के नमूने और फिंगर प्रिंट लेने के बाद रिपोर्ट सुरक्षित रख लिया है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर खून के धब्बे कैसे हैं? ऐसे में पुलिस आस–पास के अस्पतालों में लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।